RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty, well Quipped Labs, CCTV Controlled Environment, Activity Based Learning, Well Equipped Library, GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 अंक : 295 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 13 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

IRCTC घोटाले में लालू परिवार को बड़ा झटका

लालू, राबड़ी और तेजस्वी पर चलेगा मुकदमा, चुनाव से पहले फंसा पेंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आईआरसीटीसी स्कैम केस में लालू, राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला सुना दिया है। जबकि लैंड फॉर जॉब केस में 10 नवंबर को आरोप तय करने पर फैसला आयेगा। कोई में लालू, राबड़ी और तेजस्वी ने आरोप नहीं स्वीकारे हैं।

राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष सीबीआई अदालत ने कहा कि लालू यादव ने टेंडर प्रक्रिया में दखल दिया था। टेंडर प्रक्रिया में बड़ा बदलाव कराया था। विशेष सीबीआई कोर्ट ने लालू यादव के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। लालू के साथ ही राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के खिलाफ धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार समेत अन्य धाराओं के तहत आरोप तय कर दिए हैं। कोर्ट ने लालू परिवार पर धारा-420 व 120 के तहत आरोप तय किए हैं।

कोर्ट ने साजिश, पद के दुरुपयोग और टेंडर प्रक्रिया में छेड़छाड़ की बात कही और यह भी

जोड़ा कि सब कुछ लालू यादव की जानकारी में हुआ। कोर्ट ने कहा कि जमीन का हक राबड़ी और तेजस्वी को देने की साजिश थी। लालू यादव ने सरकारी पद का दुरुपयोग किया। कोर्ट ने लालू यादव से पूछा कि आरोप सही मानते हैं या गलत?

कोर्ट के सवाल पर लालू यादव ने कहा कि मैं दोषी नहीं हूं। राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव से भी यही सवाल किए गए। राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव का जवाब भी यही रहा- हम दोषी नहीं हैं। इससे पहले, लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी याद दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होने पहुंचे।

लालू यादव व्हीलचेयर पर कोर्ट पहुंचे। राउज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फॉर जॉब केस में आरोप तय करने पर भी फैसला आना था, लेकिन राउज एवेन्यू कोर्ट की सीबीआई अदालत के जज विशाल गोगने ने आईआरसीटीसी केस में फैसला सुनाया।

कोर्ट ने इस मामले में सभी आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के लिए कहा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब केस में आरोप तय करने पर फैसला 25 अगस्त को सुरक्षित रख लिया था।

रांची व पुरी में होटल टेंडर में भ्रष्टाचार

आईआरसीटीसी घोटाला केस में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपियों पर रांची और पुरी स्थित बीएनआर होटल के टेंडर में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। लालू-तेजस्वी समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत आरोप पत्र कोर्ट में दायर किया गया है।

मैं दोषी नहीं हूं, गलत केस

गलत केस है हम मुकदमा लड़ेंगे

आरोपों को कोर्ट में चुनौती देंगे

साया गोल्ड सोसायटी की 31वीं मंजिल से गिरकर युवक की मौत

गाजियाबाद। गाजियाकाद के वैभव खंड में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां वैभव खंड स्थित साया गोल्ड सोसायटी की 31वीं मंजिल से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान वैशाली निवासी 27 वर्षीय सत्यम त्रिपाठी के तौर पर हुई है। हादसा रविवार रात का है, जब वह अपने दोस्त कार्तिक के साथ फ्लैट देखने गया था। उनके साथ एजेंट भी मौजूद था।

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि फ्लैट देखने के दौरान तीनों करीब 50 मिनट तक बिल्डिंग में रहे। जब 31वीं मंजिल पर पहुंचे तब अचानक सत्यम अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवाया है। वहीं 31वीं मंजिल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ पूछताछ भी की जा रही है।

नोएडा के सीईओ ने लगाई 21 किमी. की दौड़, युवाओं में भरा जोश

नोएडा (चेतना मंच)। 49 वर्ष की आयु में 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में दौड़कर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. लोकेश एम ने यह साबित कर दिखाया कि वे अभी भी जवां हैं। इसका श्रेय उनकी संयमित दिनचर्या, योगा तथा फिटनेस के प्रति गंभीरता को जाता है।

नई दिल्ली में 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में करीब 45 हजार लोगों ने दौड़ लगाई। यह मैराथन जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से शुरू हुई तथा इंडिया गेट, लोधी रोड़, मथुरा रोड़ तथा कर्तव्यपथ होते हुए समाप्त हुई। इस हाफ मैराथन में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने भी भागीदारी की तथा 21 किमी. तक दौड़ लगाई।

उनकी फिटनेस का राज कम ही लोग जानते है। दरअसल, लोकेश एम अपनी सहेत का काफी ध्यान रखते है। अपने व्यस्तम समय में भी को प्रतिदिन एक्साइज करने में ढील नहीं देते। उसके अलावा खाने-पीने पर भी विशेष ध्यान देते है।

सीईओ डॉ. लोकेश एम. ने इस मौके पर बताया कि हर वर्ग के लोगों को अपने स्वास्थ्य को लेकर एक्टिव रहना चाहिए। चाहे वो किसी भी उम्र के हो। बच्चे, पुरुष, महिलाएं और बुजुर्ग खासकर जिन्हें हाई बीपी की समस्या हो उन्हें अपने हेल्थ का ख्याल रखना चाहिए। उन्हें रोजाना सुबह व्यायाम या योगा करना चाहिए। इससे उनका शरीर स्वस्थ रहता है।

भाजपा कार्यकर्ताओं में भरा जीत का जोश

सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने बिहार में की मैराथन बैठकें

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा बिहार प्रवास के तीन दिवसीय चुनावी दौरे पर हैं। सांसद बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने औरंगाबाद जिले के कुटुंबा विधानसभा अंतर्गत माली भरियावा मंडल तथा टण्डवा मंडल में आयोजित संगठनात्मक बैठकों में भाग लिया। इन बैठकों में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की तथा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

बैठकों के दौरान डॉ. महेश शर्मा ने पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने हेतु कार्यकर्ताओं के समर्पण और सक्रियता की सराहना की। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के उद्देश्यों एवं भावी रणनीतियों से अवगत कराते हुए चुनावी तैयारियों को गति देने का आह्वान किया गया।

अपने प्रवास के क्रम में डॉ. महेश शर्मा ने गया जिले के डुमरिया पूर्व प्रखंड स्थित इमामगंज विधानसभा में भी सांगठनिक बैठक में सहभागिता की। वहाँ उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ आगामी विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत पार्टी की कार्य योजनाओं एवं जनसंपर्क अभियानों पर विचार-विमर्श किया गया।

10 वर्ष बाद भी शक्तिनाथ बिल्डर ने नहीं दिया फ्लैट

- **न्यायालय ने थाना सेक्टर-142 को दिये एफआईआर दर्ज करने के निर्देश**

नोएडा (चेतना मंच)। आशियाना देने का सपना दिखाकर अधिकतर बिल्डरों ने लोगों की मेहनत की कमाई को हड़पा है। आए दिन ऐसे जालसाज बिल्डरों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हो रहे हैं। फ्लैट का पूरा पैसा लेने के बाद भी भी कब्जा न दिए जाने पर लॉजिक सिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर सहित 12 लोगों के खिलाफ न्यायालय ने मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में पीड़िता रूबी सिंह के अधिवक्ता अर्जुन मावी ने न्यायालय में उनका पक्ष रखा था। अधिवक्ता अर्जुन मावी ने बताया कि रूबी सिंह ने मैसर्स लॉजिक सिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के सेक्टर-143 स्थित प्रोजेक्ट ब्लूसम जेस्ट में वर्ष-2015 में एक फ्लैट बुक किया था। बुकिंग के दौरान कंपनी के डायरेक्टर शक्तिनाथ, विक्रम नाथ, मीणा नाथ व अन्य कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि उनके पास प्रोजेक्ट के लिए पर्याप्त जमीन है और नोएडा प्राधिकरण से उनका नक्शा पास है। बिल्डर ने फ्लैट की कुल कीमत 247300 बताई। रूबी सिंह ने 2 लाख 49 हजार रुपए चेक के माध्यम से अदा कर दिए अन्य बकाया राशि उन्होंने बैंक से लोन लेकर बिल्डर को अदा कर दी। बिल्डर ने 18 माह के भीतर उन्हें कब्जा देने का आश्वासन दिया। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

जेपी क्लासिक सोसायटी के फ्लैट में लाखों की चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। चोरों ने अलग-अलग स्थानों पर चोरी की तीन घटनाओं को अंजाम देकर एक घर से लाखों रुपए के जेवरात व नगदी चोरी कर ले गए। अन्य घटनाओं में चोरों ने घरों से मोबाइल फोन लैपटॉप आदि चोरी कर लिया। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के जेपी क्लासिक सोसाइटी में रहने वाली अर्पिता सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 27 सितंबर को वह अपने पति के साथ अपने पैतृक घर जमशेदपुर गई थी। वह 5 अक्टूबर को घर वापस लौटे थे। घर लौटने पर उन्हें पता चला कि चोरों ने उनके घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोर उनके घर से सोने के दो कंगन, चांदी की दो जोड़ी पायल, दो जोड़ी बच्चों के कड़े, घड़ी व नगदी चोरी कर ले गए थे। पीड़िता की शिकायत पर थाना एक्सप्रेसवे में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाल रही है। मामूरा गांव में रहने वाले विवेक अवस्थी ने थाना फेस-3 में कमरे से मोबाइल फोन तथा **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

बड़ी कंपनी में नौकरी का दिया झांसा, लाखों रुपए ठगे

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में नामी कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय है। ठग कंपनी में शामिल जालसाज लोगों को फंसा कर उन्हें बड़ी कंपनी में नौकरी दिलाने का ड्रामा खेलते हैं और फिर लाखों रुपए ठग लेते हैं। नोएडा में एक महिला के साथ ऐसी ही ठगी का खुलासा हुआ है। ठगों ने महिला से नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख रुपए ठग लिए हैं। पीड़िता ने ठगों के खिलाफ न्यायालय के निर्देश पर थाना सेक्टर 39 में मुकदमा दर्ज कराया है।

नोएडा में रहने वाली पूजा चौहान ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि जनवरी 2025 में जॉब छूटने के पश्चात उसने जॉब की तलाश में नौकरी डॉट कॉम सहित विभिन्न प्लेटफार्म पर अपने सीवी डाले थे। फरवरी 2025 में उसके पास कार्तिक के नाम के व्यक्ति ने फोन कर बताया कि उनका प्रोफाइल उन्हें ऑनलाइन पोर्टल से मिला है। उनकी कंपनी सीआईपीएल में एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर का पद रिक्त है। इसके लिए उनकी एचआर हेड मनजीत अहलावत उन्हें फोन करेगी और उनका इंटरव्यू लेंगी। इंटरव्यू के लिए उन्हें सेक्टर-138 स्थित नोएडा ऑफिस में बुलाया गया। पीड़िता के मुताबिक 27 फरवरी 2025 को वह सीपीएल के सेक्टर 138 स्थित आफिस पहुंची यहां मनजीत अहलावत ने उनका इंटरव्यू लिया और जल्द ही अच्छे पैकेज पर नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। इसके बाद उनका कंपनी के एमडी के **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

चोरी छुपे पटाखा बेचते गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। पटाखों की बिक्री पर रोक लगने के बावजूद भी चोरी से पटाखे बेचने का धंधा चल रहा है। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने चोरी छुपे पटाखा बेच रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसके पास से प्रतिबंधित पटाखे बरामद हुए हैं। थाना सेक्टर-63 प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम जिंजर कट के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि ग्राम वाजिदपुर में एक व्यक्ति अवैध रूप से पटाखे की बिक्री कर रहा है सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कबाड़ी की दुकान पर बैठे मोहम्मद दिलशाद पुत्र मोहम्मद इसरार को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में मोहम्मद दिलशाद ने बताया कि वह दिवाली के त्योहार पर बेचने के लिए पटाखे खरीद कर लाया हुआ है। इन पटाखों को उसने रकम वीर के मकान में किराए पर लिए गए कमरे में रखा हुआ है वहीं से वह उनकी बिक्री कर रहा है। पुलिस टीम मोहम्मद दिलशाद को उसके कमरे पर लेकर पहुंची यहां पर बोरे में रखें पटाखे मिले। पुलिस ने कमरे से 50 पैकेट फ्लावर पॉट्स स्पेशल अनार 37 पैकेट जय जवान बुलेट बम 55 पैकेट फुलझड़ी पांच पैकेट कलर कोटी **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

14 एकड़ में बनेगा जापानी पार्क, टेंडर जारी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-94 में 14 एकड़ में जापानी पार्क विकसित करने जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत 3.9 करोड़ रूपये है। नोएडा प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर दिया है। एजेंसियां 15 अक्टूबर तक आवेदन कर सकती हैं। हरियाली के कामकाज पर प्राधिकरण 3 करोड़ 9 लाख 60 हजार रुपये खर्च करेगा।

यह पार्क करीब 14 एकड़ में बनाया जा रहा है। यहां सिविल से संबंधित काम शुरू हो चुका है। अब उद्यान विभाग से संबंधित काम शुरू कराने के लिए टेंडर जारी किया गया है। चुनी जाने वाली एजेंसी को हरियाली विकसित करने के साथ ही उसकी दो साल तक देखरेख भी करनी होगी। प्राधिकरण ने 15 अक्टूबर तक एजेंसियों से आवेदन मांगे हैं।

उद्यान विभाग विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जापानी पार्क में संस्कृति के उन पहलुओं को दिखाया जाएगा जिनमें प्रकृति प्रेम, शांति, और अध्यात्म जैसे गुण हैं। पार्क में जापानी झूले, ड्रेगन के आकार का झूला, कई सेल्फ़ी पॉइंट, वॉकिंग ट्रैक, झरने, और छोटे पुल होंगे। यहां कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी उगाए जाएंगे जो मियावाकी तकनीक से उगाए जाएंगे।

नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग के निदेशक आनंद मोहन ने बताया कि सिविल के काम जनवरी में पूरे होने के बाद उद्यान के काम शुरू कराए जाएंगे।

मकान मालिक ने युवती के साथ की छेड़छाड़

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-45 सदरपुर में रहने वाली एक युवती ने अपने पुराने मकान मालिक पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाना सेक्टर-39 में पूर्व मकान मालिक के खिलाफ छेड़छाड़ सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कराया है। सदरपुर में रहने वाली निम्मी (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह पूर्व में अनिल के यहां किराए पर रहती थी कुछ समय पहले उसने मकान चेंज कर दिया था। 27 सितंबर को उसका एक्सीडेंट हो गया था जिसमें उसे चोटें आई थी। एक्सीडेंट की जानकारी मिलने पर उनका पुराना मकान मालिक अनिल उन्हें देखने के बहाने से उसके **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

ट्रांसपोर्ट नगर का होगा सौंदर्यीकरण, 4.75 करोड़ होंगे खर्च

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-67-69 में स्थापित ट्रांसपोर्ट नगर में नोएडा प्राधिकरण 4.75 करोड़ रूपये की लागत से चौराहे का सौंदर्यीकरण करेगा। इसे बनाने में करीब 6 माह का समय लगेगा।

नोएडा प्राधिकरण ने इस चौराहे के सौंदर्यीकरण का जिम्मा नमन कंस्ट्रक्शन को दिया है। जिस रोड पर यह चौराहा है, उसे डीएस रोड के नाम से जाना जाता है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि इस चौराहे के आसपास के 500 मीटर हिस्से में सौंदर्यीकरण करने का निर्णय लिया गया है। यहां पर पेड़ों के अंदर से लोगों के ठहलने के लिए गलियारा बनाया जाएगा। पैदल लोगों के घूमने के लिए पेड़ों के अंदर से पाथवेज बनाया जाएगा। सड़क के दोनों तरफ हरियाली होगी। पूरे गलियारे और सड़क किनारे डेकोरेटिव लाइटें लगाई जाएंगी। ओवरहेड लाइनों को भूमिगत किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि स्कल्पचर लगाने के अलावा माउंट बनाए जाएंगे। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि यहां घूमने आने वाले लोगों के बैठने के लिए बेंच लगाई जाएंगी। इसके अलावा बोलार्ड भी लगाए जाएंगे। इस चौराहे को बेहतर बनाने का डिजाइन ओरायन आर्किटेक्टस ने तैयार किया है।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि रोड की ड्रेनेज को ग्रीन बेल्ट में डाला जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सिविल के कामकाज पर 2 करोड़ 25 लाख रुपये खर्च होंगे। इनके अलावा बिजली और उद्यान के काम पर करीब ढाई करोड़ रुपये का खर्चा आएगा।

गाजा में बमबारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारी दबाव व मध्यपूर्व के देशों की पहल के बाद गाजा में इस्राइल व हमास के बीच संघर्ष विराम की तसवीर उभरी है। यह कहना कठिन है कि यह समझौता कितने दिन टिकेगा क्योंकि समझौते के बाद भी इस्राइल ने गाजा के कुछ इलाकों में बमबारी की है। कहना मुश्किल है कि ट्रंप वास्तव में गाजा के लोगों को न्याय दिलाने चाहते हैं, या उनके समझौते के प्रयासों का लक्ष्य नोबेल शांति पुरस्कार पाना था। दरअसल, शांति के नोबेल पुरस्कार की घोषणा और युद्धविराम की घोषणा की तिथियां आसपास ही थीं। नोबेल शांति पुरस्कार के लिये ट्रंप जैसा उतावलापन दिखा रहे थे, उससे दुनिया की नंबर एक महाशक्ति के नायक की जगहंसाई ही हुई है। बहरहाल, गाजा में शांति स्थापना के प्रयासों का सिरे चढ़ना स्वागतयोग्य ही कहा जाएगा। हालांकि, इस समझौते के लिये ट्रंप द्वारा इस्राइल व हमास पर भारी दबाव डाला गया। दबाव में किया गया यह समझौता कितने दिन टिकेगा, कहना मुश्किल है। समझौते के बाद भी इस्राइल की बमबारी इस समझौते की दुखती रग है। वहीं हमास बीस सूत्री समझौते पर कितने दिन कायम रहता है, ये आने वाला वक्त ही बताएगा। समझौते की शर्तों में हमास का निशस्त्रीकरण करना और गाजा में उसकी प्रशासनिक दखल बंद करना भी शामिल है। कहना कठिन है कि अरब देशों के दबाव में बातचीत की टेबल पर आया हमास इन शर्तों पर कब तक कायम रह पाता है। वह समझौते की टेबल पर तब आया जब ट्रंप ने समझौता न करने पर नेस्तनाबूद करने की धमकी दे दी थी। उल्लेखनीय है कि इस्राइल और हमास के बीच दो साल से जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने यह शांति योजना पेश की थी। जिसे मिस्र में आयोजित बातचीत में हितधारकों ने अंतिम रूप दिया। जिससे इस अशांत क्षेत्र और पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद हकीकत बनी। दरअसल, इस संघर्ष से न केवल गाजा बल्कि लेबनान, यमन और ईरान तक को अपनी चपेट में ले लिया था। दरअसल, यह संघर्ष दो साल पहले तब शुरू हुआ जब 7 अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों ने इस्राइल में घुसकर कोहराम मचाया। उस हमले में बारह सौ इस्राइली व कुछ विदेशी मारे गए थे और ढाई सौ लोगों को बंधक बनाकर हमास के हमलावर गाजा ले गए थे। उसके जवाब में इस्राइल द्वारा किए गए ताबड़-तोड़ हमलों में करीब 65 हजार से अधिक फलस्तनियों के मारे जाने का दावा किया जाता है। आज गाजा भूतहा खंडहरों के शहर में तब्दील हो चुका है। लाखों लोगों को बार-बार पलायन के लिये मजबूर होना पड़ा है। विडंबना यह है कि भले ही इस्राइल ने हमास के क्रूर हमले के जवाब में सैन्य कार्रवाई की हो, मगर इन हमलों का शिकार आम फलस्तीनी नागरिकों को होना पड़ा है। मरने वालों में बड़ी संख्या बच्चों और महिलाओं की है। यहां अस्पताल से लेकर तमाम सार्वजनिक सेवाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की थी कि गाजा में लोग भुखमरी के शिकार हैं क्योंकि इस्राइल ने राहत सामग्री के पहुंचने के सारे रास्ते बंद कर दिए थे। इस्राइल और अमेरिका की देखरेख में शुरू किए गए कथित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में इस्राइली हमलों में हजारों फलस्तीनी मारे गए थे। कालांतर, यह लड़ाई इस्राइल व लेबनान के बीच संघर्ष में तब्दील हुई। हूती विद्रोहियों के साथ संघर्ष के बाद लड़ाई ईरान तक पहुंची। हूतियों के हमलों से समुद्री मार्ग से होने वाला वैश्विक व्यापार तक बुरी तरह प्रभावित हुआ। बहरहाल, अब जब इस्राइल व हमास संघर्ष विराम पर राजी हो गए हैं तो अब प्रयास हो कि यह शांति स्थायी हो सके। हालांकि, मौजूदा हालात में यह कहना कठिन है कि बेहद आक्रामक तेवर दिखा रहा इस्राइल भविष्य में चुप बैठेगा। हमास बीस इस्राइली बंधकों तथा मारे गए लोगों के शव लौटाने को राजी हुआ है। जिसके बदले में इस्राइल द्वारा हमास के कुछ लड़ाकों समेत हजारों फलस्तीन कैदियों को रिहा किया जाना है। कहने को तो गाजा से इस्राइली सैनिकों की वापसी की शर्त भी है, लेकिन अमेरिकी सरपरस्ती में निरंकुश व्यवहार कर रहे इस्राइल से इस मुद्दे पर आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि ऐसा कहकर श्री रामजी ने फिर कर उस ओर देखा। श्री सीताजी के मुख रूपी चन्द्रमा (को निहारने) के लिए उनके नेत्र चकोर बन गए। सुंदर नेत्र स्थिर हो गए (टकटकी लग गई)। मानो निमि (जनकजी के पूर्वज) ने (जिनका सबकी पलकों में निवास माना गया है, लड़की-दामाद के मिलन-प्रसंग को देखना उचित नहीं, इस भाव से) सकुचाकर पलकें छोड़ दीं, (पलकों में रहना छोड़ दिया, जिससे पलकों का गिरना रुक गया)॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

देखि सीय शोभा सुखु पावा। हृदयँ सराहत बचनु न आवा॥
जनु बिरंचि सब निज निपुनाई। बिरचि बिस्व कहँ प्रगटि देखाई॥

सीताजी की शोभा देखकर श्री रामजी ने बड़ा सुख पाया। हृदय में वे उसकी सराहना करते हैं, किन्तु मुख से वचन नहीं निकलते। (वह शोभा ऐसी अनुपम है) मानो ब्रह्मा ने अपनी सारी निपुणता को मूर्तिमान कर संसार को प्रकट करके दिखा दिया हो॥

सुंदरता कहुँ सुंदर करई। छबिगृहँ दीपसिखा जनु बरई॥
सब उपमा कबि रहे जुठारी। केहिं पटतरौं बिदेहकुमारी॥

वह (सीताजी की शोभा) सुंदरता को भी सुंदर करने वाली है। (वह ऐसी मालूम होती है) मानो सुंदरता रूपी घर में दीपक की लौ जल रही हो। (अब तक सुंदरता रूपी भवन में अँधेरा था, वह भवन मानो सीताजी की सुंदरता रूपी दीपशिखा को पाकर जगमगा उठा है, पहले से भी अधिक सुंदर हो गया है)। सारी उपमाओं को तो कवियों ने जूँठा कर रखा है। मैं जनकनन्दिनी श्री सीताजी की किससे उपमा दूँ॥

दो0-सिय शोभा हियँ बरनि प्रभु आपनि दसा बिचारि॥
बोले सुचि मन अनुज सन बचन समय अनुहारि॥

(इस प्रकार) हृदय में सीताजी की शोभा का वर्णन करके और अपनी दशा को विचारकर प्रभु श्री रामचन्द्रजी पवित्र मन से अपने छोटे भाई लक्ष्मण से समयानुकूल वचन बोले-॥

(क्रमशः..)

मायावती के सियासी दांव से सपा को 'तनाव'

उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों तक की चहल-पहल दिखने लगी है। इसी क्रम में बसपा सुप्रीमो बहिन मायावती ने मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए कई राजनैतिक संदेश दिए। बहिन मायावती ने अपनी जनसभा में एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करके राजनैतिक विश्लेषकों को हैरान किया तो दूसरी ओर अगले विधानसभा चुनावों में बिना किसी गठबंधन के उतरने की घोषणा भी कर दी है। बसपा के शक्ति प्रदर्शन को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों में बसपा की बढती ताकत से समाजवादी पार्टी को नुकसान होने जा रहा है। बहिन मायावती ने न केवल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की अपितु यह भी कहा कि यदि आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी जुमला न साबित हुआ तो वह पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी होंगी।

बहिन मायावती अपनी 2007 की रणनीति को अपनाते हुए पुनः सामाजिक न्याय को आधार बनाकर ही चुनावी मैदान में उतरेंगी ऐसा संकेत उनकी रैली से मिलता है। उन्होंने अपनी रैली मे भीड़ जुटा कर यह संदेश दे दिया है कि उनका कोर वोटबैंक जाटव व दलित अभी भी उनके साथ है, भले ही इस समय उनके पास विधानसभा में केवल एक विधायक और मात्र 9 प्रतिशत वोट है। बहिन मायावती अपनी रैली में भाजपा के प्रति नरम व सपा तथा कांग्रेस के प्रति गरम दिखाई पड़ीं। उन्होंने अपनी रैली में कांग्रेस व सपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान पर नाटकबाजी कर रही है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल लगाकर बाबा साहब के बनाए संविधान का अपमान किया था। कांग्रेस ने बाबा साहब का कभी भी सम्मान नहीं किया उन्होंने केंद्र सरकार में रहने पर उन्हें आयकर और सीबीआई की जांच में फंसाने की कोशिश की ताकि डा. आंबेडकर और कांशीराम के कारवां को रोका जा सके। अब उसी कांग्रेस के लोग संविधान की प्रति हाथ में लेकर नाटकबाजी कर रहे हैं। सपा पर तीखा हमला बोलते हुए बहिन मायावती ने कहा कि सपा की सराकर में दलितों व पिछड़ों का सर्वाधिक उत्पीड़न हुआ। उन्होंने सपा सरकार की अराजकता पर हमला किया।

बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की। जातीय समीकरण साधने के लिए सतीशचंद्र मिश्र के अलावा उमाशंकर सिंह को भी मंच पर जगह दी गई। प्रशंसनीय बात है कि इस रैली की तैयारी बहिन मायावती और उनके कार्यकर्ता बहुत ही शांत व अनुशासित तरीके से कर रहे थे। बसपा व बहिन मायावती अपने वोटर्स के मध्य बहुत समझदारी के साथ संपर्क बनाती हैं और यही कारण है कि उनका वोटबैंक काफी सीमा तक सुरक्षित रहा है; यद्यपि 2017 के बाद जाटव मतदाता में सेंघ लग चुकी है जिसे फिर से भरोसा दिलाकर वापस लाना बहिन जी के लिए एक कठिन चुनौती है। लंबे समय से बहिन जी का नाम तथा आवाज़ केंद्रीय राजनीति से दूर रहने के कारण दलित राजनीति में चंद्रशेखर रावण जैसे लोगों का उभार हुआ है जो बसपा के परम्परागत वोटबैक पर दावा ठोंक रहे हैं।

बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की।

बसपा सुप्रीमो ने भले ही जोर देकर कहा है कि आगामी चुनावों में प्रदेश में बसपा की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत लगा दी जाएगी किंतु यह फिलहाल संभव नहीं प्रतीत हो रहा हें क्योकि बसपा का जो राजनैतिक समीकरण हे उस आधार पर उन्हें सत्ता प्राप्त करने के लिए कम कम के कम 30 प्रतिशत मतों की आवश्यकता होगी और वह अभी मात्र 9 प्रतिशत ही है। प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में बसपा कार्यकर्ताओं की धरातल पर कड़ी मेहनत के बाद यह मत प्रतिशत 15-20 पहुँच सकता है। बहिन जी ने खुले मंच से जिस प्रकार से योगी जी की प्रशंसा की वह बसपा के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है क्योंकि संभव है इससे प्रदेश का मुस्लिम मतदाता सपा गठबंधन के साथ जाना पसंद करे।

भले ही बसपा नेत्री मायावती का 2027 में अपने बलबूते पर सरकार में आने का दावा अतिशयोक्ति हो किन्तु इससे 2027 में सपा-बसपा गठबंधन की चर्चाओं को विराम लग गया है। साथ ही बहिन जी के दावे से सपा गठबंधन के लिए गहरा तनाव और भाजपा के लिए राहत की सूचना आ गई है।

- मृत्युंजय दीक्षित

मुक्त व्यापार समझौतों की नई अहमियत

निश्चित रूप से अब एफटीए की डगर पर आगे बढ़ते समय यह ध्यान रखा जाना होगा कि एफटीए तभी लाभकारी होते हैं, जब वे सही तरीके से इस्तेमाल में लाए जाएं। चूंकि अब निकट भविष्य में भारत कई देशों के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करेगा, इस परिप्रेक्ष्य में सरकार के द्वारा निर्यातकों और छोटे व्यवसायियों को नए बाजारों के लाभों से संबंधित पर्याप्त जानकारी देकर नए मौकों का फायदा उठाने के लिए जागरूक बनाया जाना होगा। साथ ही सरकारी निकायों के द्वारा गैर शुल्क बाधाओं संबंधी समाधान हेतु उपयुक्त मार्गदर्शन भी दिया जाना होगा। इसके साथ-साथ एफटीए के तहत निर्यात बढ़ाने के लिए उत्पादन की गुणवत्ता सुधारने और कारोबार की सुगमता के लिए अधिक प्रयास किए जाने होंगे।

यकीनन इस समय भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से निर्यात और निवेश बढने का अभूतपूर्व परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत के द्वारा मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए की प्रगति से संबंधित जो नए आंकड़े प्रकाशित हुए हैं, उनके मुताबिक जहां इन देशों के साथ व्यापार तेजी से बढ़ा है, वहीं इन देशों में निर्यात भी बढ़े हैं। हाल ही में 8-9 अक्टूबर को भारत दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विगत 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच एफटीए के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण रणनीतिक विचार मंथन किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए से मिलने वाले अवसर बेजोड़ होंगे। भारत के साथ एफटीए आर्थिक वृद्धि का लांचपैड है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। गौरतलब है कि भारत में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एफटीए को मंजूरी दे दी है, अब ब्रिटेन के द्वारा संसद की मंजूरी ली जाएगी। इसी तरह भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

इतना ही नहीं, वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इस समय भारत तेजी से नए एफटीए की ओर कदम बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि एक अक्टूबर से भारत और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच एफटीए लागू हो गया है। इस व्यापार समझौते पर 10 मार्च 2024 को हस्ताक्षर किए थे, लेकिन प्रक्रिया संबंधी औपचारिकताओं के कारण यह समझौता अब लागू हुआ है। वस्तुतः मुक्त व्यापार समझौता दो या दो से अधिक देशों के बीच एक ऐसी व्यवस्था है जहां वे साझेदार देशों से व्यापार की जाने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म कर देते हैं या कम करने पर सहमत होते हैं।

भारत और एफ्टा देशों के बीच लागू हुआ यह व्यापार समझौता यूरोप के एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक ब्लॉक के साथ भारत के विदेश व्यापार को नई दिशाएं देगा। इस समझौते के तहत भारत ने एफ्टा देशों की 80-85 प्रतिशत वस्तुओं पर शुल्क शून्य किया है। इसके बदले में भारत को 99 प्रतिशत वस्तुओं पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच मिलेगी। जहां कृषि, डेयरी, सोया व कोयला सेक्टर को इस व्यापार समझौते से दूर रखा गया है, वहीं प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से जुड़े सेक्टर के लिए भी भारतीय बाजार को नहीं खोला गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ग्रीन व विंड एनर्जी, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल्स के साथ उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी के क्षेत्र में एफ्टा देश भारत में निवेश करेंगे जिससे इन सेक्टर में हमारा आयात भी कम होगा और भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। निस्संदेह भारत के हिसाब से इस व्यापार समझौते का सबसे बड़ा लाभ एफ्टा देशों से मिली निवेश प्रतिबद्धता है। अब यह समझौता लागू होने के बाद आगामी 10 वर्षों के भीतर एफ्टा देशों से भारत में 50 अरब डॉलर का निवेश और अगले 5 वर्षों में अतिरिक्त 50 अरब डॉलर निवेश की उम्मीद है। इससे 15 वर्षों में भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की आस है। बहरहाल भारत ने ऐसा पहला समझौता किया है, जिसमें बाजार तक पहुंच निवेश से जुड़ी हुई है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस समझौते में 14 अध्याय हैं।

इनमें वस्तुओं के व्यापार, उत्पत्ति के नियम, शोध एवं नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं का व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल हैं। यह भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि अमेरिका के द्वारा 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक-वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है। इस नीति से जहां ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगस्त और सितंबर माह में अमेरिका को छोडकर अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं, वहीं पूरी दुनिया आश्चर्य के साथ देख रही है कि कल तक भारत को डेड इकॉनामी बताते हुए भारत पर सबसे ऊंचे टैरिफ लगाकर छठे दौर की व्यापार वार्ता को रोकने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब अपना तेवर बदलते हुए भारत के साथ व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने के संकेत दिए हैं। यह भारत की एक ऐसी आर्थिक-कूटनीतिक जीत है, जिससे प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया में भारत का कद बढ़ा दिया है। जिस ट्रंप के सामने बड़े-बड़े वैश्विक नेताओं की बोलती बंद हो जाती है, सार्वजनिक तौर पर ट्रंप को ना कहने के लिए वे हिम्मत नहीं जुटा पाते, ऐसे ट्रंप के सामने प्रधानमंत्री मोदी व्यापार समझौते की वार्ता के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग रहे और अब अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का अनुकूल परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है।

अब छठे दौर की वार्ता तेजी से आगे बढ़ेगी और जल्द ही इसके अनुकूल परिणाम आ जाएंगे। साथ ही 30 नवंबर के बाद भारत पर रूसी तेल खरीद पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ को अमेरिका वापस लेते हुए दिखाई दे सकता है तथा अन्य टैरिफ में भी कमी आ सकती है। निश्चित रूप से अब एफटीए की डगर पर आगे बढ़ते समय यह ध्यान रखा जाना होगा कि एफटीए तभी लाभकारी होते हैं, जब वे सही तरीके से इस्तेमाल में लाए जाएं। चूंकि अब निकट भविष्य में भारत कई देशों के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करेगा, इस परिप्रेक्ष्य में सरकार के द्वारा निर्यातकों और छोटे व्यवसायियों को नए बाजारों के लाभों से संबंधित पर्याप्त जानकारी देकर नए मौकों का फायदा उठाने के लिए जागरूक बनाया जाना होगा। साथ ही सरकारी निकायों के द्वारा गैर शुल्क बाधाओं संबंधी समाधान हेतु उपयुक्त मार्गदर्शन भी दिया जाना होगा। इसके साथ-साथ एफटीए के तहत निर्यात बढ़ाने के लिए उत्पादन की गुणवत्ता सुधारने और कारोबार की सुगमता के लिए अधिक प्रयास किए जाने होंगे। उम्मीद करें कि ट्रंप के टैरिफ की चुनौतियों के बीच भारत के तेजी से बढ़ते हुए एफटीए भारत के निर्यात और निवेश के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। उम्मीद करें कि अब अमेरिका के अलावा भारत के द्वारा कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए शीघ्र ही आकार लेते हुए दिखाई देंगे।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

राशिफल

कार्तिक माह, कृष्ण पक्ष, सप्तमी

(विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। पराक्रम रंग लाएगा। नए रोजगार या व्यवसाय करने के लिए उचित समय।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जो वाणी प्रदान कार्य करने वाले लोग हैं, उनके लिए अत्यंत शुभकारी समय। कुटुंबों में वृद्धि होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। समाज में सराहे जाएंगे। आपका कद बढ़ेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
निस्देशता के शिकार होंगे। उर्जा में कमी महसूस करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम, प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है और व्यापार अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। संतान और प्रेम की स्थिति अच्छी है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कन्या राशि की स्थिति अच्छी है। व्यवसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। पिता का साथ होगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भाग्यकारी स्थिति है। यात्रा का योग बनेगा। धार्मिक किसी अनुष्ठान में भाग लेंगे या धार्मिक यात्रा होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। जीवनसाथी का साथ और स्वास्थ्य बहुत अच्छा। आनंददायक जीवन गुजारेंगे।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
लेखकों के लिए, कवियों के लिए, फिल्मकारों के लिए, साहित्यकारों के लिए अत्यंत शुभ समय।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बनेगा। घर में कुछ उत्सव सा माहौल बनेगा।

पुण्यतिथि पर डॉ. राम मनोहर लोहिया को किया याद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रखर समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर सपा कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन कर उनको याद किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि डॉ. राम लोहिया का पूरा जीवनी सादगी से परिपूर्ण एवं देश की सेवा में समर्पित रहा। उन्होंने देश में गरीबी अमीरी के बीच बढ़ती खाई को पाटने के लिए अहम योगदान दिया।

उनकी समाजवादी विचारधारा ने देश का एकीकरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।। लोहिया जी ऐसी समाजवादी व्यवस्था चाहते थे जिसमें सभी की बराबर की हिस्सेदारी रहे। वह कहते थे कि सार्वजनिक धन सहित किसी भी प्रकार की संपत्ति प्रत्येक नागरिक के लिए होनी चाहिए। आज के दौर में उनके विचार और ज्यादा प्रासंगिक है और कहा कि डॉ राम मनोहर लोहिया महान स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रखर समाजवादी चिंतक थे, जिन्होंने जातिवाद, पूंजीवाद और गरीब जनता के प्रति हो रहे शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की। सभी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं

को लोहिया जी के पदचिह्नों पर चलते हुए उनकी विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का कार्य इमानदारी से करना चाहिए। इस मौके पर मुख्य रुप से पूर्व जिलाध्यक्ष फकीर चंद नागर, मेहंदी हसन, देवेंद्र टाइगर, दीपक शर्मा, यूनुस प्रधान, सुदेश भाटी, अनूप तिवारी, रामशंकर भास्कर, गजेंद्र यादव, जय सिंह चंदेल, राजेश गौंड, सलीम मेंबर, नरेन्द्र बैसोया, प्रमोद, राजेश बैसला, क्रिश पहलवान, असगर खान, अजय, दिलशाद खान आदि मौजूद रहे।

सफल रही सम्मिलित राज्य / प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2025

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने किया सभी परीक्षा केन्द्रों का दौरा

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतम बुद्ध नगर में सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2025 एवं सहायक वन संरक्षक/क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा दो पालियों में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा के दौरान शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता रही। परीक्षा के सभी 20 केंद्रों पर शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा सम्पन्न हुई। पूरे आयोजन के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा सतत निगरानी रखी गई।

परीक्षा की प्रथम पाली में कुल 8376 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 3289 अभ्यर्थी उपस्थित रहे एवं 5087 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार परीक्षा की द्वितीय पाली में कुल 8376 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 3252 अभ्यर्थी उपस्थित रहे एवं 5124 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

भाकियू (अ) मंच के संगठन का हुआ विस्तार

मेरठ/ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) मंच की पंचायत मेरठ के ग्राम खिरवा मे मण्डल अध्यक्ष चौधरी नवाब सिंह अहलावत व जिला अध्यक्ष मास्टर सुभाष चंद के नेतृत्व मे आयोजित की गई जिसमें संगठन का विस्तार किया गया।

पंचायत की अध्यक्षता चौधरी चंद्रपाल ने की व संचालन कुंवर पाल अहलावत ने किया इस दौरान रोहन कुमार को युवा ब्लाक अध्यक्ष सरूरपुर एवम अरुण कुमार को ग्राम अध्यक्ष खिरवा बनाया गया उनके साथ भारी संख्या में किसानों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की इस मौके पर चौधरी सेहंसरपाल सुभाष सिंह नीरज पांचाल सुकरमपाल अशोक कुमार तेजवीर मांगेराम प्रेम राजपाल बेगराज मंगले महावीर कुलदीप आज़ाद सिंह आदि किसान रहे मौजूद।

सीटू का त्रिवार्षिक 18 वां राज्य सम्मेलन शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर में मेहनतकशो के ज्वलंत मुद्दों/ मांगो पर मजदूर आंदोलन को नई दिशा देने के लिए सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य कमेटी का त्रिवार्षिक 18 वां राज्य सम्मेलन आज 11 अक्टूबर 2025 को सामुदायिक केंद्र झुंडपुरा सेक्टर- 11, नोएडा पर शुरू हुआ।

सम्मेलन के बारे में जानकारी देते हुए सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि सम्मेलन की शुरुआत सीटू जिला कार्यालय सेक्टर- 8, नोएडा से जुलूस के साथ हुई। सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ एवं मेहनतकशों के विभिन्न मुद्दों/मांगों पर जोरदार नारे लगाते हुए सीटू कार्यकर्ता बारात घर झुंडपुरा सेक्टर- 11, नोएडा सम्मेलन स्थल पर पहुंचने

के बाद सीटू दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष कामरेड वीरेंद्र गौड़ द्वारा झंडा रोहण करने और पिछले 3 साल के दरमियान दिवंगत कार्यकर्ताओं व नेताओं व प्राकृतिक आपदाओं में मारे गए लोगों और देश की सुरक्षा में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि देने के बाद सीटू नेता कामरेड वीरेंद्र गोड, अनुराग सक्सैना, मधु की अध्यक्षता में सम्मेलन की विधिवत शुरुआत हुई।

सम्मेलन में उद्घाटन भाषण रखते हुए सीटू के राष्टीय महासचिव कामरेड तपन सैन ने केंद्र व प्रदेश सरकारों की मजदूर विरोधी नीतियों को रेखांकित करते हुए अपनी सांगठनिक कमजोरियों को दुरुस्त कर मेहनतकशों की एकता कायम कर संघर्षों को नई दिशा देने के लिए प्रेरित किया।

सम्मेलन में प्रदेश महासचिव कामरेड पीवी अनियन ने पिछले 3 साल के कामकाज की समीक्षा रिपोर्ट व आगामी 3 वर्षों के लिए कार्य की दिशा तय करने के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

सम्मेलन में दिल्ली जननाटय मंच से कामरेड अशोक तिवारी, एसीयूटी से कामरेड सतीश, एसएफआई से कामरेड सूरज, एआईसीसीटीयू से कामरेड सुचेता, दलित शोषण मुक्ति मंच से कामरेड नथ्थू प्रसाद, नौजवान सभा से कामरेड रिक्ता, बांग्ला मंच से कामरेड आलोक बाबू, लॉयर्स यूनियन से कामरेड संजय, यूटीयूसी से कामरेड नूर आलम ने बधाई भाषण रखा।

सम्मेलन में प्रस्तुत रिपोर्ट एवं प्रस्तावों पर बहस जारी है। सम्मेलन 12 अक्टूबर 2025 को शाम 4:00 बजे तक जारी रहेगा।

शारदा यूनिवर्सिटी में 9वें दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय का 9वां दीक्षात समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया । समारोह में कुल 4108 छात्रों को डिग्रियां दी गई। इसमें अंडर ग्रेजुएट 2703 डिग्री, पोस्ट ग्रेजुएट 1261डिग्री और पीएचडी की 144 डिग्री प्रदान की गई। वहीं 6 छात्रों को चांसलर स्वर्ण पदक, 40 वाइस चांसलर स्वर्ण पदक पोस्ट ग्रेजुएट, 52 वाइस चांसलर स्वर्ण पदक अंडर ग्रेजुएट , ,42 मेरिट सर्टिफिकेट पीजी, 92 मेरिट अंडर ग्रेजुएट सर्टिफिकेट दिए गए।

समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. अजय कुमार सूद प्रिंसिपल साइटिफिक एडवाइजर भारत सरकार और डॉ शिव के सरीन डायरेक्टर ILBS और प्रो. आशुतोष शर्मा अध्यक्ष INSA विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के चांसलर पीके गुप्ता और प्रो चांसलर वाईके गुप्ता ने अतिथियों को शॉल ओढ़ा कर, प्रतिक चिन्ह देकर स्वागत किया। साथ ही तीनों अतिथिओं को उनके विशिष्ट योगदान के लिए शारदा विश्वविविधालय के द्वारा मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह में प्रो. अजय कुमार सूद प्रिंसिपल साइटिफिक एडवाइजर भारत सरकार ने विधार्थियों के योगदान पर बल देते हुए विकसित भारत के सपने साकार करने में उनके महत्ता को समझाया। साइंस, शिक्षा, और इकोसिस्टम, आप सभी इस बात से सहमत होंगे कि भारत की नवाचार प्रणाली परिवर्तन का दौर अनुसन्धान और राष्ट्रीय निवेश सहितआर्थिक विकास सतत

तकनीकी प्रगति पर निर्भर करता है, जो उत्तरोत्तर उत्पादित वैज्ञानिक ज्ञान पर निर्भर करता है जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, नवाचार को आदर्श रूप से मान्यता प्राप्त माध्यमों से आम जनता तक पहुँचाया जाना चाहिए।

दीक्षांत समारोह डॉ. शिव के सरीन ने लिवर रोग से सम्बंधित कई पहलुओं पर चर्चा किया। उन्होंने बताया की कई रोगों का शुरुआत फैटी लिवर से होता जैसे मदुमेह, चीनी रोग इत्यादि साथ ही उन्होंने अपने वजन को नियंत्रित रखने का सलाह दिया।

दीक्षांत समारोह में चांसलर पीके गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि जैसे तकनीकी क्षेत्रों में बदलाव हो रहे हैं, वैसे ही बदलाव शिक्षा क्षेत्र में भी देखे जा रहे हैं और आपको बस अपडेट रहने की जरूरत है। नए विचारों को अपनाएं, नई सीख के लिए तैयार रहें। हमेशा नए क्षेत्रों में रुचि लें जिससे आपका ज्ञान बढ़ेगा। इसके अलावा छात्रों को अपने कोर्स के साथ-साथ अन्य कोर्स के बारे में भी कुछ जानकारी होनी चाहिए। शिक्षा का मकसद डिग्री हासिल करना नही है बल्कि व्यक्ति का समग्र विकास होना चाहिए । जिन स्टूडेंट्स को डिग्री मिली है वो देश को आगे ले जाने के लिए कार्य करें। भविष्य में उच्च शिक्षा और नई तकनीक पर की जानकारी देश हित के लिए प्रयोग करें। शारदा ग्रुप शिक्षा को मिशन के रूप में कार्य कर रही है। टीचर ही जो आपको अपने से बेहतर देखना जीवन में आपका लक्ष्य अलग करना , नया करना अगर अलग करते है तो दुनिया आपके कदम चुमेगी। शारदा विश्वविद्यालय डिग्री देने वाली संस्था नही लेकिन ज्ञान और शिक्षा देने वाला संस्थान है। डिग्री लेने के बाद आप अपने देश, समाज को दे सकते है उस पर ध्यान देना चाहिए।

दीक्षांत समारोह के लेकर छात्रों में विशेष उत्साह देखा। सभी छात्र कुर्ता पायजामा तथा छात्राएं सलवार सूट तथा साड़ी में डिग्री लेने के लिए उपस्थित थे । कुछ विदेशी छात्राएं भी पारम्परिक भारतीय परिधान साड़ी में अपना डिग्री ग्रहण की।

इस दौरान यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर वाईके गुप्ता,डॉ. गीतिका खन्ना प्रिंसिपल वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली,डॉ. रणदीप गुलेरिया, इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसिन,रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन अध्यक्ष और मेदांता मेडिकल कॉलेज गुरुग्राम,डॉ. फ़ारुख़ फ़राज़ पेरियोडोंटिक्स विभाग, मौलाना आज़ाद दंत विज्ञान दिल्ली, वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा,प्रो वाइस चांसलर डॉ परमानंद,डीन अकडेमिक डॉ. आर सी. सिंह,रजिस्ट्रार विवेक कुमार गुप्ता, डायरेक्टर पीआर डॉ अजीत कुमार, समेत विभिन्न विभागों एचओडी और डीन फैकल्टी मेंबर मौजूद रहे।

किसान को मिला आश्वासन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण व बिरौंडा गांव के किसान राकेश भाटी की प्राधिकरण में हुई बैठक में वार्ता सकारात्मक रही। प्राधिकरण के एसीईओ सौभाग्य श्रीवास्तव ने पत्रांक संख्या 1187/ 2023 आख्या में खसरा संख्या 85 के लीज बैक परिवार की संख्या देखते हुए आगामी बोर्ड बैठक में लीज बैक करने का आश्वासन दिया है। आगामी किसान ने अपने धरना प्रदर्शन स्थापित कर दिए है और प्राधिकरण की सहमति पर अपने सहमति जताई।

डेल्टा स्क्वायर प्रोजेक्ट का हुआ भूमि पूजन

चेतना मंच

ग्रेटर नोएडा। कल डेल्टा सेकंड में डेल्टा स्क्वायर प्रोजेक्ट का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर डेल्टा स्क्वायर प्रोजेक्ट के अध्यक्ष सत्य प्रकाश अग्रवाल ने भूमि पूजन विधि-विधान के साथ किया। इस मौके पर ग्रेटर नोएडा के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

डेल्टा स्क्वायर के कर्ताधर्ता सत्य प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि यह प्रोजेक्ट बहुत जल्दी शुरू हो जाएगा और प्रयास है कि इसे समय से पहले पूरा कर लिया जाए। इस अवसर पर विनोद कसाना, सौरभ बंसल, अतुल जिंदल, के.के. शर्मा, मूलचंद वशिष्ठ, मूलचंद प्रधान सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया मुख्यमंत्री का स्वागत

भदोही। अंतरराष्ट्रीय 49वें कालीन मेला चार दिवसी भदोही में शुभारंभ हुआ इसके उद्घाटन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित हुए और कारपेट एक्सपो मार्ट में इस मेले के आयोजन का शुभारंभ किया।

वहीं भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा सहित तमाम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हेलीपैड पर मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ का पुष्प गुच्छ अंग वस्त्रम देकर स्वागत किया उसके पश्चात कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद योगी आदित्यनाथ का एक बार फिर जोरदार स्वागत करने वाली कड़ी में जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी भी स्वागत किया और माल्यार्पण किया उसके पश्चात योगी आदित्यनाथ अपने संबोधन में कहा हमारे परंपरागत हस्तशिल्प और कारीगर हमारी बड़ी ताकत है 96 लाख MSME यूनिट्स आज के दिन उत्तर प्रदेश की ताकत बनी हुई है इन

यूनिट के माध्यम से दो करोड़ लोग सीधे-सीधे रोजगार प्राप्त कर रहे हैं यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के माध्यम से हम लोगों ने प्रदेश में बने प्रोडक्ट को आगे बढ़ाना प्रारंभ किया है।

उद्यमियों को अपने उत्पाद शोकेस करने का एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया सरकार की नियत बहुत साफ है हम हमारे हमेशा अपने व्यापारी और उद्यमियों के साथ खड़े रहेंगे ऐसी तमाम सारे विषय पर योगी आदित्यनाथ महाराज ने प्रकाश डाला और आश्वासन दिया कि घबराने की कोई बात नहीं है।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी सनसेट डॉक्टर विनोद बिंद पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्रा विधायक औराई दीनानाथ भास्कर विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे नागेंद्र सिंह मनीष पांडेय भारी संख्या में व्यापारी भी उपस्थित रहे बृजेश गुप्ता पंकज बरनवाल विनीत बरनवाल सूर्यमणि तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर।

पत्रांकः- 7548/96 एम (iV)-बु0शहर वृत्त/2025-26 — दिनांक:-04.10.2025

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बुलन्दशहर वृत, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर द्वारा निम्नलिखित कार्य की प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in के माध्यम से उक्त कार्य के लिये लोक निर्माण विभाग में तालिका के कॉलम 10 के अनुसार मार्ग निर्माण में रजिस्टर्ड फर्म/ठेकेदार द्वारा दिनांक 15.10.2025 से 25.10.2025 तक अपरान्ह् 12:00 बजे तक उ0प्र0 सरकार से प्रचलित टी-2 के अनुसार आमंत्रित की जाती है। कार्य की तकनीकी निविदा दिनांक 25.10.2025 को अपरान्ह् 12:30 बजे खोली जायेगी। यदि किसी कारणवश निविदा खोलने की तिथि को कार्यालय बन्द होता है तो उक्त निविदा अगले कार्य दिवस में ऑनलाईन खोली जायेगी तथा निविदा खोलने का समय तथा वैद्यता पूर्ववत् होगी। ऑनलाईन फाईनेन्शियल बिड खोलने हेतु समय व तिथि वेबसाइट पर दर्शायी जायेगी।

क्रम सं0/ लॉट सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाकाल सहित	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0 एस0 टी0 सहित (रू0 में)	सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का पता	सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता का पता	सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता का पता	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	5	6	8	9	10	11	12
1	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में दादरी- बिसहाडा मार्ग से रनौली लतीफपुर मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य।	37.70	3.77	3 माह	निविदा शुल्क 300+2000+18% जी0एस0टी0 रू0 414.0 = 2714.00	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता, बुलन्दशहर वृत्त, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता, मे0क्षे0, लो0नि0वि0, मेरठ।	A, B,C

1. कार्य को पूर्ण करने की अवधि उक्त तालिका के कॉलम सं0-6 में वर्षाकाल सहित अंकित है।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क का भुगतान इन्टरनेट बैकिंग के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा।
3. समस्त पंजीकृत ठेकेदारो द्वारा पिछले 5 वर्षो का टर्न ओवर जोकि सी0ए0 से सत्यापित हो, एवं पिछले 5 वर्षो से सन्तोषजनक रूप से किये गये अधिकतम लागत के कार्यों का विवरण चाणक्य सॉफ्टवेयर में निविदा डालने के पूर्व अपलोड किया जायेगा।
   ई-निविदा, जोकि http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जायेगी। उसका विवरण लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 के चाणक्य सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय से पूर्व अपलोड करना अनिवार्य होगा।
4. निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा अन्य विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
5. लोक निर्माण विभाग में निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से होना है। प्रहरी का यू0आर0एल http://wms.uppwd.gov.in/Prahari/ है।
6. शासनादेश संख्या 17/2024/सा0-113/23-1-2024-23-1099/113/2023 लोक निर्माण अनुभाग-1 लखनऊ दिनांक-16.01.2024 में निहित प्राविधानों के अनुसार कार्य की अनुरक्षण अवधि 5 वर्ष होगी जिसकी गणना कार्य समाप्ति की वास्तविक तिथि से की जायेगी।

(कंचन सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
गौतमबुद्धनगर

(मनीष वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता
बुलन्दशहर वृत, लो0नि0वि0,
बुलन्दशहर

www.upidadv.up.gov.in, UPID-238808 Dt.10/10/2025

भट्टा पारसौल गांव में हुई किसान एकता महासंघ की बैठक

दनकौर (चेतना मंच)। किसान एकता महासंघ की बैठक भट्ट पारसौल गांव में राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के नेतृत्व में गजेंद्र सिंह मलिक के आवास पर संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता चौधरी शिव सिंह मलिक ने की एवं संचालन अरविंद सेक्रेटरी ने किया।

इस दौरान संगठन के प्रदेश प्रभारी पप्पू प्रधान ने बताया बैठक में सर्वसम्मति से किसानों के मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान संगठन का विस्तार किया गया जिसमें सर्व सम्मति से कैलाश चौधरी जिला सचिव,कपिल चौधरी तहसील महासचिव,भूपेंद्र सिंह तहसील उपाध्यक्ष,जयप्रकाश युवा तहसील उपाध्यक्ष,जोगेंद्र सिंह तहसील सचिव, अर्जुन सिंह,रविंद्र सिंह,नरेंद्र सिंह, दीपांशु मलिक,अंकुश मलिक सभी को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया,अजीत सिंह को ग्राम अध्यक्ष एवं चंद्रपाल सिंह को ग्राम पारसौल उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को पूरी ईमानदारी व निष्ठा से संगठन हित में कार्य करने की शपथ दिलाई गई।

इस मौके पर चौधरी बाली सिंह,रमेश कसाना,राजवीर ठेकेदार,वीरू ठेकेदार,चंद्रपाल सिंह,सुरेन्द्र नागर,बलजीत हवलदार,अमित नागर, जगत सिंह नेताजी ,रज्जाक ठेकेदार,ब्रह्म सिंह कसाना, कुलदीप राजपूत,कपिल शर्मा,अरविंद सेक्रेटरी, गोल्डी नागर ,सरजीत कसाना, विजयपाल सिंह, मोनू कसाना सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

लैंगिक अपराधों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज प्रयागराज में बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (POCSO Act, 2012) की जानकारी देने हेतु एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रवि झा (अधिवक्ता, उच्च न्यायालय) के द्वारा विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए इस कानून की महत्ता और इसके प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई।

इस व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को यह जागरूक करना था कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण प्राप्त होना उसका मौलिक अधिकार है।

लैंगिक अपराधों के विरुद्ध बने पोक्सो अधिनियम का पालन करना और दूसरों को जागरूक करना समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

15 नवंबर को किसान एकता महासंघ मनाएगा अपना प्रथम स्थापना दिवस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान एकता महासंघ की बैठक राष्ट्रीय संरक्षक चौ बाली सिंह व राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ रमेश कसाना के नेतृत्व ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी-3 युवा प्रदेश अध्यक्ष राकेश नागर के कार्यालय पर सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता वीरू ठेकेदार ने की एवं संचालन जिला अध्यक्ष चौ अरविन्द सैकेटरी ने किया।

इस दौरान संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष राकेश नागर ने बताया आगामी 15 नवम्बर को किसान एकता महासंघ संगठन अपना प्रथम स्थापना दिवस माना रहा है जिसको लेकर आज एक बैठक आयोजित की गई स्थापना दिवस दनकौर के डूंगरपुर रीलका स्थित सामुदायिक केंद्र में संस्कृतिक मनोरंजन के साथ बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। प्रथम स्थापना दिवस कार्यक्रम में राजस्थान, पजाब, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश,उत्तर प्रदेश सहित अन्य जिलों के कार्यकर्ता व पदाधिकारी एवं क्षेत्र के सम्मानित नेता किसान व प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे इस मौके पर चौधरी बाली सिंह, रमेश कसाना, पप्पू प्रधान, रवि नागर,अमित नागर,राजेंद्र चौहान, कर्मवीर भाटी,मास्टर इंद्रपाल सिंह,राजवीर ठेकेदार,चंद्रपाल सिंह, राकेश चौधरी, बलजीत हवलदार, रज्जाक ठेकेदार, साजिद प्रधान, कुलदीप राजपूत,विपिन राजपूत,सुशील राजपूत सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

कार्यकारिणी बैठक में तय होगी अगली रणनीति

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) का अनिश्चितकालीन धरना आज 75वें दिन भी ग्राम रौनीजा पर उसी जज़्बे और एकजुटता के साथ जारी रहा। धरने की अध्यक्षता चौधरी लखन मलिक ने की, जबकि नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज ने संभाला। किसानों का यह आंदोलन अब क्षेत्र की जनता के बीच जन-आवाज़ बन चुका है, जो यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में किसानों के हक और जल दोहन जैसी गंभीर समस्याओं को लेकर लगातार मुखर हैं।

धरने के दौरान आज किसानों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आगामी 29 अक्टूबर को संगठन की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई जाएगी। इस बैठक में आंदोलन की आगामी रणनीति और दिशा तय की जाएगी। किसानों ने यह भी प्रस्ताव रखा कि यदि उनकी मांगों पर प्रशासन द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए जाते हैं, तो कार्यकारिणी यह विचार करेगी कि जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह में शामिल होकर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जी को प्रत्यक्ष रूप से किसानों की समस्याओं से अवगत कराया जाए, ताकि सरकार तक उनकी वास्तविक स्थिति पहुंच सके।

यदि उस समय तक समस्याओं का समाधान नहीं होता, तो किसान संगठन ने यह भी संकेत दिया है कि वे क्रमिक अनशन की राह पर भी जा सकते हैं। आंदोलनकारी किसानों का कहना है कि अब यह संघर्ष केवल भूमि या पानी का नहीं, बल्कि किसान सम्मान और अधिकार की लड़ाई बन चुका है।

धरने में आज बड़ी संख्या में पदाधिकारी और किसान मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से उदयभान मलिक, विजयवीर मलिक, दिनेश मलिक, रवि यादव, सतेंद्र कुमार शर्मा, दिनेश कुमार, शैलेश, सुनील भाटी, अनिल भाटी, मनवीर सिंह, घनश्याम भाटी, श्यौराज गौड़, मनोज कुमार, जयप्रकाश, राजवीर सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने आंदोलन को और अधिक मज़बूती देने का संकल्प लिया।

धरना स्थल पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि सरकार और प्रशासन को अब किसानों की आवाज़ सुननी ही होगी। जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक यह धरना इसी तरह जारी रहेगा। किसानों ने कहा कि हम अपनी ज़मीन, अपने हक और अपने भविष्य के लिए लड़ रहे हैं; अब पीछे हटने का कोई सवाल नहीं है।

डॉ. प्रमोद ने बढ़ाया गांव का मान

नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम बादोली निवासी डॉ प्रमोद कसाना ने पीएचडी की डिग्री हासिल की। उनके साहस और समर्पण ने न केवल कसाना परिवार का नाम ऊँचा किया है, बल्कि पूरे गाँव बदौली का मान बढ़ाया है। उनकी उपलब्धि पर पूरे गांव मे खुशी है।

सेक्टर ओमिक्रॉन-1 एचआईजी अपार्टमेंट की नई कार्यकारिणी गठित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर ओमीक्रॉन-1 के एचआईजी अपार्टमेंट में नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसके लिए शांति पूर्ण तरीके चुनाव प्रक्रिया का पालन हुआ। सोसाइटी के लोगों ने उत्सवपूर्ण माहौल में बढ़-चढ़कर मतदान करते हुए 10 सदस्यीय नई टीम को चुना।

अध्यक्ष पद के लिए मान सिंह, उपाध्यक्ष पद के लिए सत्येंद्र पाल सिंह रावत, सचिव पद के लिए ज्योति शर्मा, कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रदीप कुमार ने जीत का शानदार परचम लहराया।

वहीं सदस्य पद के लिए दिलीप सिंह, मोहित रायजादा, चंद्रपाल शर्मा, मनेन्द्र परमार, सर्वश्रेष्ठ पाण्डेय और अमित कुमार ने धमाकेदार जीत दर्ज की। इस मौके पर सोसाइटी के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित टीम ने बताया कि सोसाइटी हित में पहले भी कई सकारात्मक और महत्वपूर्ण काम हुए हैं और आने वाले समय में विकास और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी लंबित कामों को जल्दी पूरा करेंगे। टीम ने बताया कि अथॉरिटी, सोसाइटी के लोगों की मदद और खुद के प्रयास से बढ़चढ़ कर सोसाइटी हित में सकारात्मक भागीदारी निभाएंगे।

इस मौके पर फेडरेशन के संरक्षक रणजीत प्रधान और चुनाव टीम की ओर से देवराज नागर, देवेंद्र टाइगर, धर्मवीर मावी, दीपक कुमार भाटी, ऋषिपाल भाटी, शशि शर्मा वीरेश बैंसला और सतीश भाटी मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

10 वर्ष बाद भी...

बुकिंग के बाद करीब 10 वर्ष का समय बीतने के बाद भी बिल्डर द्वारा रूबी सिंह को फ्लैट का कब्जा नहीं दिया गया।

रूबी सिंह ने जब नोएडा प्राधिकरण से जानकारी की तो उन्हें पता चला कि इन लोगों ने अपने कई प्रोजेक्ट बताकर लोगों को शीघ्र कब्जा देने का झूठा आश्वासन देते हुए सैकड़ों लोगों का रुपया हड़प लिया है। इनके पास ना तो जमीन है और ना ही संबंधित प्राधिकरण से आवश्यक अनुमति व अनुमोदन हैं। अधिवक्ता अर्जुन मावी ने बताया कि उनके क्लाइंट 20 जुलाई 2025 को सेक्टर-143 स्थित बिल्डर के साइड ऑफिस पर पहुंचे जहां उन्हें पता चला कि बिल्डर लोगों का पैसा हड़पकर भाग गए हैं। बिल्डर के खिलाफ दिल्ली में भी कई मुकदमे दर्ज है। इसके बाद पीड़िता थाना सेक्टर-142 में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने गई लेकिन उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया।

अधिवक्ता अर्जुन मावी ने बताया कि न्यायालय ने इस मामले में पीड़िता का पक्ष सुनने के पश्चात थाना सेक्टर-142 को शक्ति नाथ, देवेंद्र मोहन सक्सैना, मीणा नाथ, विक्रम नाथ, अमित कुमार अग्रवाल, मुकेश, मोहन श्रीवास्तव, वेद प्रकाश, प्रभाकरण मेनन, मयूर डोगरा, आशीष ठक्कर, हिमांशी खन्ना, बरखा बतला व चेतन शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं।

जेपी क्लासिक सोसायटी...

लैपटॉप चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर के सुबह किसी अज्ञात चोर ने उनके कमरे से लैपटॉप चार्जर तथा मोबाइल फोन चोरी कर लिया। मोबाइल फोन, लैपटॉप गायब मिलने पर उन्होंने काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़ित के मुताबिक चोरी हुआ लैपटॉप उन्हें ऑफिस की तरफ से काम करने के लिए मिला था।

वहीं थाना सेक्टर-24 में चौड़ा गांव में रहने वाले रविंद्र प्रताप सिंह ने अपना लैपटॉप व मोबाइल फोन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रविंद्र प्रताप सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 अक्टूबर की सुबह वह सोकर उठे तो उनका मोबाइल फोन व लैपटॉप कमरे में नहीं था। रात्रि में सोते समय उन्होंने गलती से कमरे का दरवाजा खुला छोड़ दिया था। रात्रि में मौका पाकर किसी चोर ने उनके कमरे से लैपटॉप पर मोबाइल फोन पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

मकान मालिक ने...

कमरे पर आ गया। अनिल ने उसे कमरे में अकेला देखकर छेड़छाड़ शुरू कर दी और उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया। उसके विरोध करने पर वह कमरे से चला गया। निम्मी का आरोप है कि 10 अक्टूबर को अनिल ने उसे फोन कर दिवाली की शॉपिंग करने को कहा। अनिल की हरकतों को देखकर उसने तमाम बातें अपने भाई को बताई। भाई ने जब अनिल से बात की तो उसने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

चोरी छुपे पटाखा...

अनार 10 पैकेट पेंसिल लाइट,9 पैकेट अशोक अनार सहित अन्य पटाखे बरामद किए। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

बड़ी कंपनी में नौकरी...

साथ सेक्टर 6 स्थित ऑफिस में भी इंटरव्यू करवाया गया। कुछ समय बाद मनजीत अहलावत ने बताया कि एमडी ने उनका सिलेक्शन नहीं किया है और किसी अन्य उम्मीदवार को उसे पद के लिए नौकरी दे दी है। मनजीत अहलावत ने उसे आश्वासन दिया कि वह जल्द ही कंपनी में उसे अच्छी नौकरी दिलाएंगी। कुछ दिन बाद मनजीत अहलावत ने फोन कर बताए थे सीपीएल कंपनी का एक इंटरनेशनल प्रोजेक्ट आया है जिसमें वह उसे नौकरी दिला सकती है।

27 अप्रैल 2025 को सेक्टर 75 नोएडा स्थित स्टारबक्स कैफे में मनजीत अहलावत ने उसकी मुलाकात संदीप वरुदी से कराई। संदीप वरूदी ने कैफे में ही उसका इंटरव्यू लिया और कहा कि उसको डायरेक्ट डिस्ट्रीब्यूटर बनाया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने60 हजार रुपए जमा करने को कहा। उसने मनजीत अहलावत के अकाउंट में यूपीआई के माध्यम से पैसे ट्रांसफर कर दिए। कुछ समय बाद मनजीत अहलावत ने उसकी मुलाकात आयुषी से कराई दोनों ने उसे करोड़पति बनने के सपने दिखाए और उसे दोबारा 50000 अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए। नौकरी न मिलने पर उसने मनजीत अहलावत से बात की तो उसने बताया कि उसके द्वारा दिए गए पैसों को उसने सीआईपीएल क्यूनेट प्रोजेक्ट में लगाया है। उसने घर आकर जब इंटरनेट के माध्यम से जानकारी की तो पता चला कि यह कंपनी भारत में प्रतिबंधित है और इसके द्वारा पूर्व में बड़ी संख्या में लोगों को ठगा गया है।

पूजा के मुताबिक मनजीत अहलावत, सुदीप बारूदी, आयुषी व कार्तिकेय तथा उनके अन्य साथियों ने मिलकर उसे बेहतर नौकरी दिलाने का नाम पर 10 लाख 80 हजार रुपए ले लिए। पैसों की मांग करने पर सभी उसे जान से मारने की धमकी देते हैं। इस मामले में उसने कई बार पुलिस से शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई इसके बाद पीड़िता ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के पश्चात थाना सेक्टर 39 पुलिस को मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं पुलिस का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश प्रदान किया गया है और जहां की जा रही है।

रंगे हाथों दबोचे चोर

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-68 में एक निर्माणाधीन मकान से सामान चोरी कर रहे चार चोरों को लोगों ने मौके पर रंगे हाथों दबोच लिया। पकड़े गए चोरों में दो बाल अपचारी भी शामिल हैं। चोरों को लोगों ने थाना फेस-3 पुलिस के हवाले कर दिया।

सेक्टर-70 में रहने वाले अरुण कुमार रंजन ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनका सेक्टर-68 में मकान बन रहा है। पिछले कुछ दिनों से उनके निर्माणाधीन मकान से सरिया, रिंग पेंट व अन्य सामान चोरी हो रहा था। इसके बाद उन्होंने मकान पर निगरानी करनी शुरू कर दी। 11 अक्टूबर को उन्होंने पड़ोसी आयुष, मनीष, साजिद व राजू की मदद से निर्माणाधीन मकान में चोरी कर रहे चार चोरों को रंगे हाथों दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। उनके पास से मकान से चोरी किया गया सामान भी बरामद हुआ।

थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए चोरों के नाम शेर मोहम्मद व आसिफ है। चोरों में दो बाल अपचारी भी हैं जिन्हें पुलिस संरक्षण में लिया गया है।

चोरी की कार पर फर्जी नम्बर प्लेट

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 2 साल पहले चोरी की गई एक टाटा नेक्शन कार बरामद हुई है। पकड़ा गया चोर चोरी की कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चला रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-62 डी पार्क के पास नवादा बारात घर के सामने बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान सेक्टर 62 की तरफ से आ रही टाटा नेक्शन कार को जांच के लिए रोका गया। पुलिसकर्मियों के मांगने पर चालक कार के कागजात नहीं दिखा पाया। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने ई-चालान एप पर कार का नंबर डालकर चेक किया तो पता चला कि कार नंबर और चेचिस नंबर एक दूसरे से मेल नहीं खा रहे हैं। पुलिस ने कार चालक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम हिमांशु बताया और स्वीकार किया कि उसने यह कार दो वर्ष पहले सेक्टर-63 से चोरी की थी। पकड़े जाने के भय से वह इस कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चल रहा था। कार की तलाशी लेने पर उसमें से दो फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास

सबसे तेज 5000 वनडे रन बनाए

- बेलिंडा क्लार्क का 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा
- 80 रन बनाकर कैच आउट, प्रतिका की फिफ्टी

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विशाखापट्टनम में मैच खेला जा रहा है। डॉ वायएस राजशेखर स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। भारतीय ओपनर्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत शुरुआत की। 31 ओवर के बाद टीम ने 1 विकेट खोकर 193रन बना लिए हैं। प्रतिका रावल और हरलीन देओल पिच पर हैं। प्रतिका फिफ्टी लगा चुकी हैं। स्मृति मंधाना 80 रन बनाकर आउट हुईं, उन्होंने प्रतिका के साथ 155 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। मंधाना ने सबसे तेज 5 हजार वनडे रन भी पूरे कर लिए। उन्होंने 2025 में 1 हजार वनडे रन भी बना लिए।

स्मृति मंधाना ने 9 चौके और 3 छक्के लगाए

स्मृति मंधाना 25वें ओवर में छक्का लगाने की कोशिश में कैच हो गईं। ओवर की तीसरी बॉल सोफी मोलेनिक्स ने गुड लेंथ पर ऑफ स्टंप की ओर फेंकी। मंधाना ने स्लॉग स्वीप खेला, लेकिन डीप मिड-विकेट पोजिशन पर फीब लिचफील्ड के हाथों कैच हो गईं। मंधाना ने 66 गेंद पर 80 रन बनाए।

मंधाना के सबसे तेज 5 हजार वनडे रन पूरे

स्मृति मंधाना 5 हजार वनडे रन बनाने वालीं भारत की दूसरी ही प्लेयर बनीं। उनसे पहले मिताली राज ही इस मुकाम तक पहुंच सकी थीं। स्मृति मंधाना ने फिफ्टी लगाने के बाद वनडे क्रिकेट में अपने 5 हजार रन भी पूरे कर लिए। वे इस रिकॉर्ड तक पहुंचने वालीं दुनिया की 5वीं और भारत की दूसरी ही प्लेयर बनीं। उनसे पहले मिताली राज ही ऐसा कर सकी थीं।

29 साल की मंधाना 5 हजार वनडे रन बनाने वालीं सबसे युवा विमेंस प्लेयर बनीं। उन्होंने 112वीं पारी की 5568वीं गेंद पर इतने रन बनाए। दोनों मामले में वे दुनिया की सबसे तेज प्लेयर बनीं। उनसे पहले वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर ने 129 पारियां और न्यूजीलैंड की सूजी बैट्स ने 6182 गेंद पर 5000 वनडे रन पूरे किए थे।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

- भारत- स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रॉड्रिग्ज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, अमनजोत कौर, श्री चरणी, क्रांति गौड़।
- ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), फीब लिचफील्ड, एलिस पेरी, बेथ मूनी, एश्ले गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैक्ग्रा, सोफी मोलेनिक्स, अलाना किंग, किम गार्थ, मेगन शट।

दिल्ली टेस्ट- फॉलोऑन खेल रही वेस्टइंडीज

- शाई होप ने 31 पारियों बाद फिफ्टी लगाई; कैम्पबेल के साथ 131 रन की साझेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली टेस्ट में भारत के खिलाफ फॉलोऑन खेल रही वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 166 रन बना लिए हैं। टीम 104 रन पीछे है। जॉन कैम्पबेल और शाई होप नाबाद हैं। दोनों शतकीय साझेदारी कर चुके हैं।

कैम्पबेल के बाद होप ने फिफ्टी लगाई। होप ने 31 पारियों के बाद अर्धशतक लगाया है। एलिक एथनाज (7 रन) को वॉशिंगटन सुंदर और तेगनारायण चंद्रपॉल (10 रन) को मोहम्मद सिराज ने कैच कराया। रविवार को तीसरे दिन टी-ब्रेक से पहले भारत ने वेस्टइंडीज को पहली पारी में 248 रन पर ऑलआउट कर दिया और कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खेलने के लिए कहा। भारत को 270 रन की बढ़त मिली। भारत ने 518/5 के स्कोर पर पहली पारी घोषित की थी। वेस्टइंडीज ने सुबह 140/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 92 रन और बनाने में आखिरी 6 विकेट गंवा दिए। टीम इंडिया के लिए सबसे अधिक 5 विकेट कुलदीप यादव ने झटके। रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट हासिल किए। एलीक एथनाज ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए

टेस्ट में कब होता है फॉलोऑन

5 दिन के क्रिकेट मैच में अगर पहली पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम 200 रन या इससे ज्यादा की बढ़त हासिल कर लेती है, तो वह दूसरी टीम को फॉलोऑन के लिए मजबूर कर सकती है। यानी दूसरी टीम को लगातार दोनों पारी में बल्लेबाजी करनी पड़ जाती है। फॉलोऑन देना है या नहीं देना है यह पूरी तरह बढ़त हासिल करने वाली टीम का फैसला होता है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत- केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज- तेगनारायण चंद्रपॉल, जॉन कैम्पबेल, एलिक एथनाज, रोस्टन चेज (कप्तान), शाई होप, टेविन इमलाक (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, खैरी पीयर, जोमेल वारिकन, एंडरसन फिलिप, जैडन सील्स।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को दूसरा वनडे 81 रन से हराया

- सीरीज अपने नाम की, इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए, राशिद को 5 विकेट

अबूधाबी (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने दूसरे वनडे में बांग्लादेश को 81 रन से हरा दिया। इसी के साथ अफगान टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। अबू धाबी में खेले गए दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने 44.5 ओवर में 190 रन बनाए। जबाव में बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 14 अक्टूबर को अबू धाबी मे ही खेला जाएगा।

इब्राहिम जादरान का अर्धशतक - पहले बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान की टीम की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन ओपनर इब्राहिम जादरान ने टीम की कमान संभाली। उन्होंने 140 गेंदों में 95 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा मोहम्मद नबी और एएम गजनफर ने 22-22 रन का योगदान दिया। हालांकि बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और पूरी टीम 44.5 ओवरों में 190 रन पर ऑलआउट हो गई।

मेहदी हसन मिराज को 3 विकेट

बांग्लादेश की तरफ से मेहदी हसन मिराज टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट झटके। उनके अलावा रिशाद हुसैन और तंजीम हसन साकिब ने 2-2 विकेट झटके लिए। तनवीर इस्लाम को एक विकेट मिला।

बांग्लादेश की बैटिंग फ्लॉप

टारगेट का पीछा करते उतरी बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर सिमट गई। टीम के लिए तौहीद हृदॉय (24) और सैफ हसन (22) ने थोड़ी कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा संभल नहीं सके। टीम का कोई भी खिलाड़ी 25 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

राशिद खान ने 5 विकेट झटके

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। राशिद ने 8.3 ओवरों में केवल 17 रन खर्च कर 5 विकेट झटके। उनके साथ अजमतुल्लाह उमरजई ने 3 विकेट लिए। नांगेयालिया खारोटे को एक सफलता मिली।

नामीबिया ने साउथ अफ्रीका को 4 विकेट से टी-20 हराया

आखिरी ओवर में 11 रन बनाए, ट्रम्पलमैन को 3 विकेट; ग्रीन ने विनिंग बाउंड्री लगाई

वाइंडहोक (एजेंसी)।

असोसिएट देश नामीबिया ने फुल मेंबर साउथ अफ्रीका को 4 विकेट से टी-20 हरा दिया। वाइंडहोक में शनिवार को दोनों के बीच पहली बार कोई टी-20 मैच खेला गया। साउथ अफ्रीका ने पहले बैटिंग करते हुए 134 रन बनाए। नामीबिया ने 6 विकेट खोकर 20वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया।

साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब

नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 25 रन पर ही 2 विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक 1 और रीजा हेंड्रिक्स 7 ही रन बनाकर आउट हो गए। लुहान ड्रे-प्रिटोरियस ने फिर रुबिन हरमन के साथ मिलकर टीम को 50 रन के पार पहुंचाया।

जेसन स्मिथ ने 31 रन बनाए

प्रिटोरियस 22 और हरमन 23 रन बनाकर आउट हुए। जेसन स्मिथ ने 31 रन बनाकर टीम को फाइटिंग स्कोर तक पहुंचाया। उनके सामने कप्तान डोनोवन फरेरा 4, एंडिले सिमिलाने 11 और जेराल्ड कूट्जी 4 रन बनाकर आउट हुए। योर्न फॉर्च्यून 19 रन बनाकर नॉटआउट रहे। टीम ने 8 विकेट खोकर 134 रन बनाए। नामीबिया के लिए रुबिन ट्रम्पलमैन ने 28 रन देकर 3 विकेट लिए। मैक्स हिंगो को 2 विकेट मिले। जेजे स्मिट, बेन शिकोंगो और जेरार्ड इरासमस ने 1-1 विकेट लिया। बर्नार्ड शोल्ज ने 4 ओवर में 16 रन दिए, लेकिन वे कोई विकेट नहीं ले सके।

आखिरी ओवर में 11 रन चाहिए थे

101 रन पर टीम ने 6 विकेट गंवा दिए। यहां से विकेटकीपर जैन ग्रीन और ट्रम्पलमैन ने टीम को टारगेट के करीब पहुंचाया। आखिरी ओवर में टीम को 11 रन की जरूरत थी। एंडिले सिमिलाने बॉलिंग करने आए, पहली ही गेंद पर ग्रीन ने छक्का लगा दिया। दूसरी गेंद पर 1 और तीसरी गेंद पर 2 रन बने। चौथी गेंद पर ट्रम्पलमैन ने 1 रन लेकर स्कोर बराबर कर दिया। ग्रीन के सामने सिमिलाने ने पांचवीं गेंद डॉट करा दी। आखिरी गेंद पर 1 रन चाहिए था, सभी फील्डर्स पिच के पास खड़े हो गए। सिमिलाने ने लो फुल टॉस फेंकी, ग्रीन ने मिड-विकेट की ओर चौका लगाया और टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी।

नामीबिया ने चौथी टेस्ट टीम को हराया

एसोसिएट देश नामीबिया ने चौथी बार किसी टेस्ट प्लेइंग नेशन को हराया। इससे पहले टीम 2022 में श्रीलंका और 2021 में आयरलैंड को भी 1-1 बार हरा चुकी है। वहीं जिम्बाब्वे को टीम ने 8 बार टी-20 में हराया है। नामीबिया के खिलाफ इकलौते टी-20 मुकाबले में साउथ अफ्रीका से नांद्रे बर्गर और एंडिले सिमिलाने ने 2-2 विकेट लिए। जेराल्ड कूट्जी और योर्न फॉर्च्यून को 1-1 विकेट मिला। कूट्जी दूसरे ओवर में बॉलिंग के दौरान इंजर्ड हो गए। इसलिए वे स्पेल में 9 गेंदें ही फेंक सके। उनकी जगह कप्तान फरेरा ने ओवर और स्पेल पूरा किया।

आकाश चोपड़ा ने चुने नेक्स्ट फैब 4 खिलाड़ी

गिल और जायसवाल को मिली जगह, ऑस्ट्रेलिया से कोई नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने क्रिकेट के 'नेक्स्ट फैब 4' खिलाड़ियों की सूची जारी की है। जहां मौजूदा 'फैब 4' में विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन जैसे दिग्गज शामिल हैं, वहीं चोपड़ा के अनुसार अगली पीढ़ी के चार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अब सामने आ चुके हैं।

उन्होंने अपनी इस सूची में दो भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और यशस्वी जैसवाल को जगह दी है। इनके साथ इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र को भी शामिल किया गया है। दिलचस्प बात यह रही कि इस सूची में किसी भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को जगह नहीं मिली।

आकाश चोपड़ा ने कहा, अगला फैब 4 लगभग तैयार है। शुभमन गिल इस सूची में स्थायी रहेंगे क्योंकि वे तीनों फॉर्मेट में बेहतरीन हैं। यशस्वी जैसवाल भी भविष्य में तीनों प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन करेंगे। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र में भी लम्बे समय तक क्रिकेट पर राज करने की क्षमता है।

गिल फिलहाल भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान हैं और उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट सीरीज़ 2-2 से बराबर कराई थी। वहीं यशस्वी जैसवाल अपने आक्रामक लेकिन संयमित खेल के कारण भारत के सबसे भरोसेमंद युवा बल्लेबाजों में गिने जाते हैं।

इंग्लैंड के हैरी ब्रूक टेस्ट क्रिकेट में 57 से अधिक औसत के साथ रन बना रहे हैं, जबकि न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र टेस्ट और वनडे दोनों में 42 से ज्यादा के औसत और 45 विकेट के साथ एक उभरते ऑलराउंडर के रूप में तेजी से पहचान बना रहे हैं।

रोनाल्डो गोल करने से चूके लेकिन पुर्तगाल ने आयरलैंड को 1-0 से हराया

लंदन (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेनल्टी किक पर गोल करने से चूक गए लेकिन आखिरी क्षणों में रुबेन नेवेस के गोल की बदौलत पुर्तगाल ने विश्व कप क्वालीफाइंग के यूरोपीय चरण में शनिवार को यहां आयरलैंड को 1-0 से हराकर ग्रुप एफ की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत कर ली। रोनाल्डो मैच के 75वें मिनट में पेनल्टी पर चूक गए लेकिन नेवेस ने (90+1 मिनट) में गोल कर टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने ग्रुप तालिका में नौ अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हंगरी पर पांच अंक की बढ़त कायम कर ली है। ग्रुप के दूसरे मैच में हंगरी ने डेनियल लुकाक्स और ज़ोम्बोर ग्रुबर के गोल की मदद से आर्मेनिया को 2-0 से हराया। स्पेन ने ग्रुप ई के मैच में जॉर्जिया को 2-0 से हराने के बाद तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

पुरुष हॉकी 2025

भारत ने न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर जारी रखा अजेय अभियान

मलेशिया (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान जोहोर कप के दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इससे पहले भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में ब्रिटेन को 3-2 से मात दी थी। भारत ने मैच की शुरुआत जबरदस्त दबाव के साथ की। पहले क्वार्टर के दूसरे मिनट में अर्शदीप सिंह ने तेज़ी से दाईं ओर दौड़ लगाकर गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। क्वार्टर के अंत में कप्तान रोहित की पासिंग पर पीबी सुनील ने पेनल्टी कॉर्नर का शानदार वैरिएशन गोल में बदलकर स्कोर 2-0 किया। दूसरे क्वार्टर में अरिजीत सिंह हुंडल ने सर्कल के अंदर तेजी से घूमकर तीसरा गोल दागा और भारत की बढ़त 3-0 हो गई। तीसरे क्वार्टर में न्यूजीलैंड ने गस नेल्सन के गोल से 3-1 किया और वापसी की कोशिश की।सिवाच का विजयी गोल, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने आस्ट्रेलिया को हरायाभारत 'ए' महिला हॉकी टीम पांच मैचों के लिए चीन का दौरा करेगी, इन खिलाड़ियों को मौका चौथे क्वार्टर में आर कुमुर ने पेनल्टी कॉर्नर का उपयोग करते हुए 4-1 का स्कोर बनाया। मैच के अंतिम मिनट में ऐडन मैक्स ने न्यूजीलैंड के लिए दूसरा गोल दागा, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने मजबूत खेल दिखाकर मैच को काबू में रखा।

अनोखा है भगवान विष्णु का यह मंदिर, चमत्कारी पत्थर बताता है मनोकामना पूरी होगी या नहीं

दक्षिण भारत में भगवान विष्णु को अलग-अलग रूपों में पूजा जाता है और हर मंदिर की अपनी अनोखी मान्यता है। कहीं भगवान विष्णु एक ईंट पर खड़े होकर भक्तों का इंतजार कर रहे हैं तो कहीं दिव्य पत्थर को ही भगवान मानकर पूजा जा रहा है। कर्नाटक के अमरागिरि के पास स्थित श्री गुड्डा रंगनाथस्वामी मंदिर भी अपने दिव्य पत्थर के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि दिव्य पत्थर से ये पता किया जा सकता है कि भक्तों की इच्छा पूरी होने वाली है या नहीं।

12वीं शताब्दी में बना रंगनाथस्वामी मंदिर श्री गुड्डा रंगनाथस्वामी मंदिर कर्नाटक के हसन जिले के चन्नरायपेटा गांव के चिक्कोनहल्ली में है। माना जाता है कि मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी के दौरान हुआ था। मंदिर की बनावट भी बहुत पुरानी है, जो दक्षिण भारत की कला और संस्कृति को दर्शाती है। इस मंदिर को बनाने का श्रेय संत और धर्मगुरु श्री रामानुजाचार्य को दिया जाता है।

रंगनाथस्वामी मंदिर की कथा

माना जाता है कि श्री रामानुजाचार्य जब मेलुकोटे आए थे तो रात को रुकने के लिए चिक्कोनहल्ली स्थान को चुना। उन्हें वहां भगवान विष्णु के होने का अहसास मिला। उन्होंने ये बात अपने नगर के लोगों से कही और भगवान विष्णु का मंदिर बनाने के लिए कहा।

संत और धर्मगुरु श्री रामानुजाचार्य की बात मानकर लोगों ने वहां भगवान विष्णु की स्थापना की और रोज उनकी पूजा करने लगे। मंदिर में विष्णु भगवान की प्रतिमा भी अद्भुत है, जो भगवान राम के धनुष अवतार से मिलती है, लेकिन बाद में मुगल काल के दौरान मंदिर रंगनाथस्वामी स्वामी को समर्पित कर दिया गया।

कहा जाता है कि ये फैसला मंदिर को आक्रमणकारियों से बचाने के लिए लिया गया। मुगल काल के दौरान आक्रमणकारियों ने इस मंदिर में घुसकर तोड़फोड़ भी की, जिसके बाद मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया।

ये मंदिर पहाड़ की चोटी पर बना है, जिसकी वजह से मंदिर का नाम श्री गुड्डा रंगनाथस्वामी मंदिर पड़ा। साउथ में गुड्डा को पहाड़ कहते हैं।

चमत्कारी पत्थर बताता है, मनोकामना पूरी होगी या नहीं

इस मंदिर में एक पत्थर भी है, जिसे चमत्कारी और रहस्यमयी माना जाता है। भक्तों की पत्थर को लेकर मान्यता है कि जो भी पत्थर पर बैठकर मन्नत मांगता है, तो पत्थर खुद बता देता है कि मन्नत पूरी होगी कि नहीं।

चमत्कारी पत्थर भी संत रामानुजाचार्य से जुड़ा है, वो इसे तकिए की तरह इस्तेमाल करते थे। ये पत्थर इतनी तेजी से घूमता है और इस पर बैठने वाला इंसान भी अपनी जगह से हिल जाता है। अगर पत्थर बाईं तरफ जाएगा तो मन्नत पूरी होगी और अगर पत्थर दाईं तरफ जाएगा तो मन्नत पूरी नहीं होगी।

नरक चतुर्दशी पर चौमुखी दीया से करें उपाय... दूर हो जाएगा अकाल मृत्यु का डर!

दीप और खुशियों के महापर्व दीपावली से पहले नरक चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। इसे 'छोटी दिवाली' या 'यम चतुर्दशी' के नाम से भी जानते है। इस दिन शास्त्रों में यमराज के पूजन का विधान बताया गया है। यमराज को जीवन-मृत्यु के संतुलन का अधिपति माना जाता है। इस दिन शाम के समय यम के नाम का दीपक जलाया जाता है। इससे अकाल मृत्यु के भय से मनुष्य को मुक्ति मिलती है।

इस दिन शाम को घर के बाहर यमराज के नाम का दीप जलाने की मान्यता है। पंचांग के अनुसार, कार्तिक चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 19 अक्टूबर को दोपहर 1 बजकर 55 मिनट पर शुरू होगा। जो अगले दिन दोपहर 3 बजकर 55 मिनट तक रहेगा। इस दिन प्रदोष काल में यम के नाम का दीप जलाया जाता है। इसलिए यम चतुर्दशी का दीपक 19 अक्टूबर की शाम को ही जलाया जाएगा।

घर के दक्षिण दिशा में जलाएं दीप

इस दीप को आप गेंहू के आटे से बना सकते हैं। यह दीप आम दीप से बिल्कुल अलग होगा है। चौमुखी इस दीप में चार बाती होती है। जिसे यम के नाम से जलाया जाता है। शाम के समय घर के दक्षिण दिशा की तरफ इस दीप को जलाकर उसके नीचे काला तिल और धान का लावा भी जरूर रखना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दीप को जलाने से न सिर्फ अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही परिवार की सुरक्षा और मानसिक शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।

नरकासुर से भी जुड़ी है कथा

पुराणों के अनुसार, यम चतुर्दशीके दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर नाम के राक्षस का वध किया था। नरकासुर अपने प्रजा पर खूब अत्याचार करता था। भगवान कृष्ण ने जब नरकासुर का वध किया तो अंधकार पर प्रकाश और अधर्म पर धर्म की जीत हुई। इसलिए इस दिन को 'नरक चतुर्दशी' कहा गया। कुछ जगहों पर इसे चौदस भी कहा जाता है।

हमारे घर तीर्थ के समान हैं, इनके लिए भी तीर्थों के जैसी श्रद्धा और विश्वास रखें

हमारे घर और गांव भी तीर्थ के समान हैं। जैसे तीर्थों के प्रति श्रद्धा और विश्वास होता है, वैसा ही भाव अपने घर, गांव, मोहल्ले, जलाशयों और वृक्षों के प्रति होना चाहिए। जब हम अपने घर को स्वच्छ रखते हैं, उसमें प्रेम, एकता और समन्वय बनाए रखते हैं, तो वही घर तीर्थ बन जाता है। अपने वातावरण को पवित्र बनाना, अपनों से प्रेम करना और प्रकृति से जुड़ाव रखना ही सच्ची तीर्थ यात्रा है।

नोबेल सम्मान के बाद भी इतने विनम्र क्यों थे डॉ. सी.वी. रमन?

एक विदेशी युवा वैज्ञानिक ने रंगों के कुछ नए प्रयोग किए थे। महान वैज्ञानिक डॉक्टर सी.वी. रमन को इसका पता चला तो उनमें इसके प्रति उत्सुकता पैदा हुई। वह उस वैज्ञानिक की प्रयोगशाला में जा पहुंचे। तब तक रमन को नोबेल पुरस्कार भी मिल चुका था।

जब युवा वैज्ञानिक ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के वैज्ञानिक को अपनी प्रयोगशाला में देखा तो चौंक उठा। उसने रमन का स्वागत करते हुए संकोच के साथ उन्हें बैठने को कहा। लेकिन रमन बैठे नहीं। उन्हें खड़ा देखकर युवा वैज्ञानिक बोला, "सर आप यहां तक आए हैं, यह मेरा सौभाग्य है। मैं तो सपने में भी नहीं सोच सकता कि आप जैसे महान वैज्ञानिक कभी मेरी प्रयोगशाला में आ सकते हैं। कृपया बैठिए।"

रमन बोले मेरी विवशता है कि मैं आपके सामने बैठ नहीं सकता। युवा वैज्ञानिक ने आश्चर्य से कहा, "सर, भला आपके साथ ऐसी क्या विवशता है, जो आप मेरे सामने बैठ नहीं सकते? आप तो हर तरह से मुझसे बड़े और सम्माननीय हैं।"

रमन बोले, "आपने रंगों के संबंध में नए प्रयोग किए हैं और इस बारे में मैं आपसे कुछ ज्ञान प्राप्त करने आया हूं। इसलिए मैं आपका शिष्य हूं और आप मेरे गुरु। भला मैं अपने गुरु के सामने कैसे बैठ सकता हूं? क्या आप मुझे रंगों के विषय में कुछ ज्ञान देंगे?" युवा वैज्ञानिक बोले, "हां सर, अवश्य बताइए मैं कब आपके पास हाजिर हो जाऊं?"

डॉ. रमन बोले, "ज्ञान मुझे प्राप्त करना है। गुरु शिष्य के पास कभी नहीं जाता। शिष्य को ही गुरु के पास जाना चाहिए। आप अपनी सुविधा के अनुसार समय बता दीजिए।" युवा वैज्ञानिक के जीवन का यह स्वर्णिम क्षण था। उसने डॉ. रमन को समय दिया और उनकी विनम्रता और शालीनता का कायल हो गया।

कैसे एक बच्चा बना दुनिया का सबसे बड़ा विजेता ?

एक बालक अपनी बहन अलिसा के साथ घूमने निकला। रास्ते में एक किसान की लड़की मिली। वह सिर पर अमरूदों से भरा टोकरा रखे हुए उन्हें बेचने बाजार जा रही थी।

अलिसा ने भूल से टक्कर मार दी, जिससे सारे अमरूद गिरकर गंदे हो गए। ''अब मेरे माता-पिता को कई दिनों तक भूखा रहना पड़ेगा।'' कहकर वह लड़की रोने लगी। अलिसा ने अपने भाई को वहां से भाग जाने की सलाह दी और कहा, ''अभी तो यहां कोई देखता भी नहीं।''

'बहन, अगर हम मान लेते हैं कि यहां कोई नहीं देख रहा है, इसलिए सजा नहीं मिलेगी तो यह गलत है।

किसी व्यक्ति के अंदर बैठी हुई आत्मा ही मर गई तो फिर ईश्वर भले ही दंड न दे, वह आप ही मर जाता है।'

इतना कहकर उस बालक ने अपनी जेब में रखे तीन आने उस लड़की को दिए और उससे कहा, ''बहन, तू हमारे साथ चल। हमने गलती की है तो उसकी सजा भी हमें स्वीकार करनी चाहिए, तुम्हारे फलों का मूल्य घर चलकर चुका दूंगा।'' तीनों घर पहुंचे, बालक ने सारी बात मां को बताई। मां को गुस्सा आ गया। वह बोली, 'तुम लोग नाहक घूमने क्यों निकले? घर खर्च के लिए पैसे नहीं, अब यह दंड कौन भुगते ?'

उस लड़के ने कहा, ''मां, मेरी जेब खर्च के पैसे इस लड़की को दे दो। मेरा विद्यालय का नाश्ता बंद रहेगा, मुझे उसमें रत्ती भर भी आपत्ति नहीं। गलती के लिए प्रायश्चित भी तो मुझे ही करना चाहिए।''

मां ने उसके डेढ़ महीने के जेब खर्च के पैसे उस लड़की को दे दिए। लड़की प्रसन्न होकर घर चली गई। डेढ़ महीने तक विद्यालय में उस लड़के को कुछ भी नाश्ता नहीं मिला, वह जरा भी दुखी नहीं हुआ।

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने का नहीं है बजट

तो इन चीजों को जरूर लाएं घर, मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

हिन्दू धर्म में सालभर में कई उत्सव आते हैं। उन्हीं उत्सव में से एक धनतेरस का त्योहार दिवाली के पांच दिवसीय उत्सव की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इसे धनत्रयोदशी भी कहा जाता है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इसी दिन से घर-परिवार में सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य का आगमन होता है।

धनतेरस पर विशेष रूप से सोना और चांदी खरीदना शुभ मानते हैं, लेकिन अगर आप सोना-चांदी नहीं खरीद पा रहे हैं, तो घबराएं नहीं। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, कुछ अन्य वस्तुएं भी हैं, जिन्हें धनतेरस के दिन खरीदना बहुत मंगलकारी होता है और यह आपके घर में सुख-समृद्धि लाती हैं।

धनतेरस -वैदिक पंचांग के अनुसार धनतेरस त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस बार त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 18 अक्टूबर, शनिवार को दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर होगी और इसका समापन 19 अक्टूबर, रविवार को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट पर होगा। हिंदू धर्म में उदयातिथि को विशेष महत्व दिया जाता है, यानी वह तिथि जो सूर्योदय के समय मौजूद हो। इसलिए, धनतेरस का पर्व शनिवार, 18 अक्टूबर 2025 को ही मनाया जाएगा।

पीतल – पीतल को भगवान धन्वंतरि की धातु माना जाता है। मान्यता है कि पीतल के बर्तन खरीदने से घर में आरोग्य, सौभाग्य और 13 गुना धन लाभ होता है।

धनतेरस पर झाड़ू की खरीदी

झाड़ू – धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। झाड़ू को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि नया झाड़ू घर से दरिद्रता को दूर करता है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। इस झाड़ू को घर लाकर उसका उपयोग करने से पहले उसकी पूजा अवश्य करें।

धनिया – धनतेरस पर धनिया खरीदना और उसे मां लक्ष्मी को अर्पित करना शुभ माना जाता है। धनिया को धन का प्रतीक भी कहा जाता है। पूजा के बाद इन बीजों को अपनी तिजोरी या धन के स्थान पर रखने से बरकत आती है।

गोमती चक्र – इस चीज को बहुत पवित्र और चमत्कारी माना जाता है। धनतेरस के दिन 11 गोमती चक्र खरीदकर उन्हें लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखने से धन की कमी दूर होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

पीली कौड़ियां चढ़ाने के फायदे, पीली कौड़ियां चढ़ाने की विधि

कौड़ी – पीली कौड़ी को मां लक्ष्मी से जुड़ा माना जाता है। धनतेरस के दिन कौड़ी खरीदकर लाएं और उन्हें हल्दी में रंग कर (अगर पहले से रंगी हुई न हो तो) दिवाली की रात पूजा करने के बाद अपनी तिजोरी में रखें। इससे घर में धन का प्रवाह बना रहता है।

मोबाइल की गलत दिशा से हो सकती है नींद खराब, जानें सही तरीका

आज के दौर में मोबाइल फोन हमारी ज़िंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यहां तक कि रात को सोते समय भी यह हमारे सिरहाने या तकिए के नीचे रखा होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तुशास्त्र के अनुसार, सोते समय मोबाइल फोन को गलत दिशा में रखने से आपकी नींद की गुणवत्ता, सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह और यहां तक कि आपके करियर पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है ? वास्तुशास्त्र में हर चीज की सही दिशा तय की गई है क्योंकि हर दिशा एक खास ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है। मोबाइल फोन एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है जो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें उत्सर्जित करता है और इसकी ऊर्जा को नियंत्रित करना बेहद ज़रूरी है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर दिशा को सोते समय मोबाइल फोन रखने के लिए सबसे अशुभ माना जाता है। इसके अलावा, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम के पास सिरहाने पर फोन रखना भी उचित नहीं माना जाता।

क्यों है उत्तर दिशा अशुभ ?

चुंबकीय क्षेत्र में गड़बड़ी: पृथ्वी का उत्तरी ध्रुव सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। वास्तु के अनुसार, सोते समय सिर को उत्तर दिशा में रखने से शरीर के चुंबकीय क्षेत्र में व्यवधान आता है। मोबाइल फोन की इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें इस गड़बड़ी को और बढ़ा सकती हैं, जिससे आपकी नींद में खलल पड़ सकता है, बेचैनी महसूस हो सकती है और आपको पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता।

मानसिक अस्थिरता और तनाव: उत्तर दिशा में फोन की ऊर्जा से नकारात्मकता बढ़ सकती है, जो आपकी ऊर्जा और मानसिक शांति को प्रभावित करती है। इससे सुबह उठने पर आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं, एकाग्रता की कमी हो सकती है, और बेवजह का तनाव आपके साथ रह सकता है।

करियर पर नकारात्मक प्रभाव: उत्तर दिशा को धन और करियर की दिशा माना जाता है। इस दिशा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की नकारात्मक ऊर्जा रखने से करियर में रुकावटें आ सकती हैं, आर्थिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है और नए अवसरों की कमी महसूस हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम में सिरहाने फोन क्यों न रखें ?

दक्षिण-पश्चिम दिशा स्थिरता और संबंधों से जुड़ी होती है। सिरहाने के पास फोन रखने से इस दिशा की स्थिरता प्रभावित हो सकती है, जिससे रिश्ते और व्यक्तिगत जीवन में अस्थिरता आ सकती है। कुछ विशेषज्ञ इसे पूरी तरह से हानिकारक नहीं मानते लेकिन सिर के बेहद पास रखना हमेशा नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।

मोबाइल फोन रखने की सही दिशा और वास्तु के उपाय:

वास्तुशास्त्र कुछ दिशाओं को सोते समय मोबाइल रखने के लिए उपयुक्त मानता हैलेकिन हमेशा ध्यान रखें कि फोन को बिस्तर या तकिए से कम से कम 3 से 4 फीट की दूरी पर रखना सबसे बेहतर है।

दक्षिण दिशा: यह दिशा स्थिरता और गहरी नींद के लिए अच्छी मानी जाती है। यदि आप फोन को अपने बिस्तर से थोड़ी दूरी पर दक्षिण दिशा में रखते हैं, तो यह डिवाइस से निकलने वाली तरंगों के प्रभाव को कम करने में मदद करता है और नींद में सुधार हो सकता है।पूर्व दिशाः पूर्व दिशा सूर्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। यह दिशा छात्रों और उन पेशेवरों के लिए अच्छी है जो मानसिक स्पष्टता और सफलता चाहते हैं। यदि आप रचनात्मक क्षेत्र में हैं तो फोन को पश्चिम दिशा में भी रख सकते हैं, जिससे नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

रॉकेटशिप में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं ईशा कोप्पिकर

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है- हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब रॉकेटशिप में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं — खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों — के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है। ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। रॉकेटशिप का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं।

मेरे पुराने दोस्त की तरह है मिर्जापुर में गोलू का किरदार

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगमिनी गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है। एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है। श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म मसान से लेकर मिर्जापुर सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रही है। उन्होंने कहा, अब जब मैं इस शहर में मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं, तो यह मेरे लिए सफर का पूरा होना जैसा है। अपने किरदार के बारे में श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार बदल चुका है और वह खुद भी बदली हैं, लेकिन उसके अंदर का जोश और आग अब भी वही बनी हुई है। मैं दर्शकों को इस किरदार से मिलवाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बता दें कि मिर्जापुर भारत की सबसे लोकप्रिय क्राइम-थ्रिलर सीरीज में से एक है। इसकी कहानी अखंडानंद कालीन त्रिपाठी नाम के एक अपराधी और व्यवसायी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मिर्जापुर जिले का बेताज बादशाह माना जाता है। पहले सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। दूसरे सीजन में ज्यादातर कलाकार वापस आए, लेकिन विक्रांत मैसी और श्रिया पिलगांवकर की जगह कुछ नए कलाकार देखे गए, जिनमें विजय वर्मा, ईशा तलवार, लिलिपुट, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, अनंग्शा बिस्वास, और नेहा सरगम शामिल हैं।

वरुण की है जवानी तो... में दिखेगा लव ट्राएंगल

पूजा हेगड़े के अलावा मौनी रॉय और मृणाल ठाकुर भी आएंगी नजर

वरुण धवन जल्द ही पिता डेविड धवन की नई कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखाई देंगे। यह फिल्म डेविड के पुराने सिग्नेचर कॉमेडी स्टाइल की वापसी मानी जा रही है। वरुण के साथ पूजा हेगड़े इस फिल्म की लीड हीरोइन हैं, जबकि फिल्म में दो नायिकाओं के बीच का त्रिकोणीय रोमांस और झूठ-फरेब भरी चीटिंग कहानी का मुख्य आकर्षण होगा। फिल्म में मौनी राय और मृणाल ठाकुर भी हैं। वरुण की हाल ही में जाह्नवी कपूर के साथ रिलीज हुई सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के बाद यह उनकी लगातार दूसरी हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी है। राकेश बेदी, जिमी शेरगिल और चंकी पांडे जैसे मंझे हुए कलाकार भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म की शूटिंग आधी भारत और आधी लंदन में हुई है

राकेश बेदी ने से खास बातचीत में फिल्म को लेकर बताया कि... यह फिल्म लाफ्टर-राइड वाली है। वरुण का किरदार एक हीरोइन से भी झूठ बोलेगा और दूसरी से भी। अब सोच लीजिए फिर पकड़े जाने और निकल जाने का खेल कितनी कॉमेडी पैदा करेगा। फिल्म आधी भारत और आधी लंदन में शूट हुई है, इसलिए इसकी दुनिया भी अलग तरह का रंग-ढंग लेकर आएगी। आमतौर पर वरुण को सेट पर बड़ा मस्तीखोर माना जाता है लेकिन पिता डेविड के सामने उनकी यह मस्ती पूरी तरह कंट्रोल हो जाती है। डेविड किसी को नहीं बख्शते, चाहे वह वरुण ही क्यों न हों। अगर वह लेट होते हैं, तो सबके सामने डांट पड़ती है।

कृति शेट्टी ने अब्दी-अब्दी के लिए सीखा बेली डांस

अभिनेत्री कृति शेट्टी बहुत जल्द दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता के साथ फिल्म जीनी में दिखाई देंगी। इसका गाना अब्दी अब्दी बहुत जल्द रिलीज होगा। इस गाने के लिए खासतौर पर उन्होंने बेली डांस सीखा। कृति शेट्टी ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थीं। इस गाने में कल्याणी भी हैं, दोनों फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। गाने के रिलीज होने से पहले इनका बेली डांस करते हुए एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इस गाने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, जब मुझे फिल्म में बेली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, जीनी एक मध्य पूर्व का विचार है, जो अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है। इसलिए फिल्म में बेली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है। यह मुझे बेली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया। उन्होंने बताया, मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी तीन तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था। खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मजेदार था। कृति ने यह भी बताया कि बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन पूरी लगन के साथ इसकी तैया में उन्होंने खुद को झोंक दिया। इस दौरान कमर को एक विशेष प्रकार से मूव करना सबसे कठिन रहा। बताया जा रहा है कि इस गाने में बेमिसाल कोरियोग्राफी, शानदार दृश्य और एक आकर्षक धुन है।

शूजित सरकार ने दीपिका के आठ घंटे शिफ्ट के मुद्दे पर दी प्रतिक्रिया

पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने आठ घंटे काम करने की शर्त को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। कथित तौर पर दीपिका के संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर होने की वजह भी उनके आठ घंटे शिफ्ट की मांग थी। इसके बाद पिछले दिनों दीपिका 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से भी बाहर हो गईं। इसके पीछे भी मेकर्स ने काम के प्रति प्रतिबद्धता को ही जिम्मेदार बताया था। अब दीपिका के प्रोशेनलिज्म और आठ घंटे की शिफ्ट पर निर्देशक शूजित सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दीपिका के साथ 'पीकू' में काम कर चुके शूजित ने अभिनेत्री का समर्थन किया है।

शूजित ने किया दीपिका का समर्थन

डीएनए के साथ बातचीत में शूजित सरकार ने दीपिका के दो बड़ी पैन इंडिया फिल्मों से बाहर होने पर कहा कि मैं हर व्यक्ति के व्यक्तिगत फैसलों का सम्मान करता हूं। वे क्या करते हैं, इसके लिए वो स्वतंत्र हैं।। मुझे नहीं पता कि पूरी कहानी क्या है। हालांकि, दीपिका के आठ घंटों की शिफ्ट को लेकर निर्देशक ने कहा कि कोई बात नहीं। हमें हर व्यक्ति की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए। इसलिए उसकी पूरी इज्जत करनी चाहिए। मैं ऐसा ही करता हूं। दीपिका के प्रोफेशनलिज्म पर बात करते हुए शूजित ने कहा कि एक पेशेवर कलाकार के रूप में वह शानदार हैं। वह बहुत ही प्रतिभाशाली हैं।

'पीकू' में शूजित सरकार के साथ दीपिका ने किया काम

दीपिका पादुकोण ने शूजित सरकार के साथ साल 2015 में आई फिल्म 'पीकू' में काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने ही किया था। फिल्म में दीपिका के साथ अमिताभ बच्चन और इरफान खान सरीखे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा था।

अल्लू अर्जुन और शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बाहर होने के बावजूद दीपिका की पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इन दिनों दीपिका शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा वो एटली और अल्लू अर्जुन की बड़े बजट की फिल्म में भी नजर आएंगी।

ग्लोबल स्टेज पर अच्छा काम करना जरूरी है

दुनिया भर के प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल से लेकर ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री तक अपने अभिनय की गूंज पहुंचाने वाले एक्टर ईशान खट्टर ने अपने करियर का आगाज भले सिनेमा के जीनियस कहलाने वाले अनुराग कश्यप सरीखे फिल्मकार के असिस्टेंट के रूप में किया हो, मगर उनकी मंजिल हमेशा से एक्टिंग ही थी। यही वजह है, चाहे वो माजिद मजीदी की बियॉन्ड द क्लाउड्स रही हो या फिर धड़क, ईशान ने अपना सिक्का जमाया। इंटरनैशनल वेब सीरीज परफैक्ट कपल में भी वे एक अहम रोल में पसंद किए गए।

ईशान खट्टर की शुरुआती फिल्म बियॉन्ड द क्लाउड्स ईरानी फिल्मकार द्वारा निर्देशित थी, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना मिली थी। होमबाउंड की विश्व विख्यात ख्याति के साथ-साथ उन्होंने इंटरनैशनल वेब सीरीज में भी लोकप्रियता पाई। ग्लोबल स्टेज पर अपने अपने प्रतिनिधित्व के बारे में वे वे कहते हैं, मैं खुद को बहुत ही खुशकिस्मत मानता हूं। हॉलिवुड के इस शो में मेरी केंद्रीय भूमिका थी। जब मुझे इस शो के ऑडिशन का मौका मिला था, तब अपनी भूमिका को पढ़कर मैं भी बहुत खुश था, क्योंकि आम तौर पर हॉलिवुड में साउथ एशियन एक्टर्स को एक ही तरह की भूमिकाएं देकर टाइपकास्ट कर दिया जाता है साउथ एशियन एक्टर्स के प्रति एक आम नजरिया क्या होता है, मगर जब यह शो आया और इसमें मेरे किरदार को सराहना मिली, तब अहसास हुआ कि री प्रेजेंटेशन कितना जरूरी है।

मैंने और विशाल ने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं

होमबाउंड में ईशान की भूमिका मोहम्मद शोएब अली को देखने के बाद दर्शक स्वयं अपने भीतर टूट-फूट महसूस करने लगता है। अपने मानसिक हाल पर ईशान कहते हैं, कुछ फिल्में फिल्मों से बढ़कर होती हैं। निर्देशक नीरज घेवान ने पहले ही साफ कर दिया था कि हम ये रोल निभाएं नहीं बल्कि उसे जिएं। किरदार को जीने के लिए उसकी तह में जाना जरूरी था और इसके लिए ये समझना भी भी आवश्यक था कि हमारी जिंदगी में आइडेंटिटी का मोल क्या है? जातिगत भेदभाव क्या है? इस किरदार के लिए हमारा एंट्री पॉइंट जुबान थी। जुबान हमारा कल्चर होता है। हमने तीन महीने डायलेक पर काम किया। हमने बाराबंकी के लिए एक ट्रिप ली। हमने वहां गांव के लोगों से मिलकर उनके सुख-दुख जाने। इसमें दोनों दोस्तों शोएब और चंदन (विशाल जेठवा) की दोस्ती केंद्र में है, तो हम एक -दूसरे के सामने वल्नरेबल बने, हमने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं। वो रोल के लिए एक बड़ा हथियार साबित हुआ।

अपनी डायवर्सिटी को खोना नहीं है

फिल्म में ईशान खट्टर का किरदार शोएब जातिगत भेदभाव का शिकार होता है। असल जिंदगी में ईशान गंगा-जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं (उनकी मां नीलिमा अजीम और पिता राजेश खट्टर) हैं, तो क्या कभी निजी जिंदगी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उन्होंने उस डिस्क्रिमिनेशन का सामना किया? इस पर ईशान कहते हैं, मेरे लिए गंगा-जमुनी तहजीब बहुत बड़ी चीज है। मैंने हमेशा इस बात पर बहुत गर्व किया है कि हम डायवर्सिटी से आते हैं। ये हमारे लिए बहुत खूबसूरत चीज है। हमें वो चीज खोनी नहीं चाहिए, क्योंकि वो हमारी ताकत है।

भाई शाहिद कपूर से तुलना किए जाने पर मुझे ऐतराज नहीं

फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने और शाहिद कपूर जैसे स्टार के भाई होने के नाते आरंभिक दिनों में ईशान को तुलना का शिकार होना पड़ता था। तो क्या अब विश्व पटल पर आने के बाद कंपेरिजन बंद हो गया है? इस सवाल पर वे कहते हैं, मैंने इस बात से कभी कोई ऐतराज नहीं किया है। वो मेरे बड़े भाई हैं और मुझसे 15 साल बड़े हैं, मैं उन्हें देख कर बड़ा हुआ हूं और मैंने उन्हीं से प्रेरणा ली है।

मुझे इस बात से कोई आपत्ति नहीं कि हमारी तुलना होती है। वो तो होगी ही. मुझे अपनी सचाई पता है। मैं हमेशा से अपने बलबूते पर काम करना चाहता था। मैं बहुत खुशनसीब हूं, मुझे ऐसे मौके मिले, मैंने मेहनत की और आज मैं जो करना चाहता था, जहां होना चाहता था, अपने दम पर हूं।

स्वच्छ व हरित शहर के लिए वरदान हैं ऐसे प्रोजेक्ट : पंकज सिंह

सेक्टर-34 में की उधानिक अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट की स्थापना

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 में हॉर्टिकल्चर एवं ड्राई वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का शुभारंभ विधायक पंकज सिंह द्वारा किया गया। यह प्लांट फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए, सेक्टर-34 के द्वारा नोएडा प्राधिकरण एव एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से स्थापित किया गया है।

फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 के महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि यह नोएडा में इस प्रकार का पहला प्लांट है इस पहल से न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि हम अपने सेक्टर से निकलने वाले हॉर्टिकल्चर वेस्ट का अपने सेक्टर में ही निस्तारण करते हुए खाद भी तैयार कर सकेंगे इसका संचालन इन्वायरो केयर द्वारा किया जाएगा जो कि पिछले 5 साल से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट सेक्टर-34 का कुशल संचालन कर रहे हैं। जिससे सेक्टर के निवासियों में स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति और अधिक जागरूकता भी बढ़ेगी

विधायक पंकज सिंह ने आरडब्ल्यूए की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से चलने वाले ऐसे प्रोजेक्ट शहर को स्वच्छ और हरित बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने फेडरेशन सेक्टर-34 की आरडब्ल्यूए टीम को इस सराहनीय कार्य के लिए बधाई दी।

इस दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष तथा फोनरवा के महासचिव के के जैन, धर्मेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष कुलदीप मुंशी कोषाध्यक्ष एम सी भारद्वाज बी जे पी नोएडा अध्यक्ष महेश चौहान फ़ोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा अभिजीत दत्ता देवेन्द्र वत्स दीपाली पसारी सुशांत भल ओमेन्द्र कुमार एस पी चमोली के सी रावत संजीव महतो एस के सिंघल जगदीश जोशी गुलाब सिंह अनिल शर्मा वेद प्रकाश मिश्रा जगत सिंह सुरेन्द्र महाजन आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

550 किलो मिलावटी पनीर किया नष्ट: पटेल

नोएडा (चेतना मंच)। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि विगत दिवस देर रात्रि खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, विजय बहादुर पटेल एवं रविंद्र नाथ वर्मा की टीम द्वारा दिल्ली सहित एन.सी.आर. के जिलों में सप्लाई करने वाले गुरस्कर हथीन मेवात हरियाणा स्थित जंगी मिल्क प्लांट के वाहन संख्या एच0आर073बी 3222 में लगभग 550 किग्रा पनीर पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया उक्त पनीर मिलावटी/ मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त प्रतीत होने के कारण विस्तृत जांच प्रयोगशाला से कराए जाने हेतु नमूना लेकर अवशेष लगभग 550 किग्रा पनीर भंगेल नोएडा की न्यू गढ़वाल डेयरी पर विनष्टीकरण हेतु जब्त कर सुरक्षित अवस्था में रखवाया गया था, जिसको आज नोएडा प्राधिकरण के सहयोग से नष्ट कराया गया।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

सेक्टर-61 स्थित शिवालिक में भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री के आवास पर उनके पुत्र आशीष भाटी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते दादरी के विधायक तेजपाल नागर व अन्य।

नोएडा में एनसीआर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। 11 अक्टूबर 2025 को सेक्टर 73 के प्ले ऑल बैडमिंटन कोर्ट में एनसीआर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के गौतम बुद्ध नगर जिला अध्यक्ष अशोक भाटी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट में गौतम बुध नगर, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, आगरा, चंडीगढ़, उत्तराखंड, गुजरात सहित अन्य प्रदेशों से लगभग 125 प्रतिभागी अंडर 9 से लेकर अंडर 19 तक विभिन्न कैटेगरी में हिस्सा लिए। सभी खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता का रंग बढ़ाया।

आयोजकों निखिल भाटी एवं रितिका चौधरी ने बताया कि बच्चों को खेलों के प्रति जागरूक करने हेतु यह आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में विजेताओं को नगद पुरस्कार, मेडल, टी-शर्ट और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अंडर 13 में उर्सिता कश्यप, अंडर 16 में हैप्पी नागर, अंडर 15 में प्रियांशु नगर, अंडर 17 में आकाश धाकरे, अंडर 18 में हर्ष यादव और अंडर 9 में शिवाय सिंह को पुरस्कार प्रदान किए गए ।कार्यक्रम में भाकियू के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना, रविंद्र भगत, रामवीर हवलदार, प्रमोद टाइगर, संदीप अवाना, संचित चौहान, शैलेश बेसोया और अमन सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डॉ. राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 53 स्थित सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय पर समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया की 58 वीं पुण्यतिथि, महानगर महासचिव विकास यादव के नेतृत्व में मनाई गई। महासचिव विकास यादव ने कहा कि, डॉ राम मनोहर लोहिया के रास्ते पर चलकर ही समतामूलक समाज की स्थापना की जा सकती है। उन्होंने गरीबों शोषित और पिछड़ों के अधिकार के लिए जीवन भर संघर्ष किया। वरिष्ठ नेता जयवीर बाबा व वीरपाल प्रधान ने कहा कि, अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने में उन्होंने अहम योगदान दिया। कई बार उन्हें जेल भी भेजा गया। गोवा मुक्ति आंदोलन भी डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की देन थी। श्रद्धांजलि देने वालों में महासचिव विकास यादव, मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव, राम सहेली, वीरपाल प्रधान, लोकेश यादव ,रणधीर चौधरी ,जयवीर बाबा ,मोहित यादव, राणा मुखर्जी, कृपा शंकर यादव ,सोनू त्यागी ,नीरज चौटाला, विनोद कुमार, विपिन चौहान ,वीर बहादुर, अनेक सिंह ,ऋषि चौहान, ओमपाल सिंह ,कमल गौतम ,हरेंद्र जीत सिंह ,सिकंदर पासवान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

धूमधाम से सम्पन्न राजस्थान कल्याण परिषद का दीपावली मिलन समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर की प्रमुख सामाजिक संस्था राजस्थान कल्याण परिषद द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर सैक्टर 11 में अपने वार्षिक लखी भोग बासमती राइस दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया । लखी भोग बासमती राइस के मालिक बाबूलाल पारीक एवं पूर्व अध्यक्षों द्वारा दीप प्रज्वलन कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्ष दिनेश माहेश्वरी द्वारा कार्यक्रम के प्रायोजक बाबूलाल पारीक का श्रीफल एवं पटका पहना कर स्वागत किया तथा अन्य उपस्थित गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया गया । तत्पश्चात महासचिव रंजू माथुर द्वारा सभी सदस्यों को दीपावली के दीप प्रज्वलन करने के लिए आमंत्रित किया गया ।कार्यक्रम को एक नवीनता देते पारुल माहेश्वरी और सरिता गुप्ता ने विभिन्न खेलों के माध्यम से अधिकांश सदस्यों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया। हर वर्ग के सदस्यों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। तंबोला में अधिकांश सदस्यों ने अत्यंत उत्साह पूर्ण भाग लिया एवं आनंद लिया ।कार्यक्रम में तीन लकी ड्रा एवं एक अर्ली बर्ड प्राइज भी दिया गया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक आर पी सोनी, महेंद्र शाह, अनिल अग्रवाल, अंजनी सर्राफ, विजय सोनी, आर सी बजाज, जी सी माहेश्वरी, अरविंद सोनी, पवन शर्मा, जीवन जैन, के सी गुप्ता, जुगल किशोर भारती, प्रदीप मेहता, प्रकाश ईनाणी, विष्णु गोयल,अनिल जैन, नरेश सोडाणी, विक्रम अग्रवाल, राजीव गुप्ता, वी एन पारीक, जी सी पारीक, दिनेश चांडक सहित शहर के कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

लोटस बुलेवर्ड सेक्टर 100 में मेदांता हॉस्पिटल की प्रायमरी केयर क्लिनिक का उद्घाटन हुआ इसमें हॉस्पिटल के डॉक्टर जी. सी वार्ष्नैव डायरेक्टर इंटरनल मेडिसिन, डॉक्टर संजय गुप्ता डायरेक्टर ऑर्थोपेडिक डिपार्मेंट, स्वाति राघव ऑपरेशनल हेड,अनूप नेगी मार्केटिंग मैनेजर एवं शिवांगी , साथ ही साथ सोसाइटी के सभी पदाधिकारी एवं निवासी मौजूद थे।

पं. रविकांत को अपना जनप्रतिनिधि मान बैठे हैं बृजवासी

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा प्रमुख समाजसेवी पंडित रविकांत मिश्रा का मथुरा ब्रिज क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क अभियान बड़ रहा है। वे पिछले कई महीनो से ब्रज क्षेत्र में लगातार सभी सामाजिक तथा व्यावसायिक एवं अन्य संगठनों से लगातार जनसंपर्क अभियान कर रहे हैं। वही शहर की जनता के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगातार उनका जनसंपर्क अभियान चल रहा है। बढ़ती लोकपिय्रता तथा अपनी स्वच्छ छवि से पंडित रविकांत मिश्रा ने ब्रजवासियों का मनमोहन लिया है। अब वहां की जनता कह रही है कि वह अपने जनप्रतिनिधि के तौर पर पंडित रविकांत मिश्रा को ही देखना चाहते हैं।

बता दें कि नोएडा में विधानसभा का चुनाव लड़ चुके पंडित रविकांत मिश्रा कई सामाजिक संगठनों में पिछले कई वर्षों से बहुत ही सक्रिय है । लेकिन भाजपा हाई कमान द्वारा ब्रज क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता तथा उनकी रुचि के मद्देनजर उनको वहां से चुनाव की तैयारी करने की हरी झंडी दे दी है। तभी से वह कई महीनो से हफ्ते में तीन दिन ब्रज क्षेत्र में रहकर वहां के लोगों से मिल रहे हैं तथा उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। मालूम हो किसकी पहले भी वह कई वर्षों से हफ्ते में एक बार मथुरा तथा ब्रज क्षेत्र में जाते थे तथा बांके बिहारी के दर्शन करते थे तथा वहां के मंदिरों के पुजारी तथा अन्य लोगों से लगातार उनका संपर्क बना हुआ था। लेकिन यह संपर्क अब एक अभियान में तब्दील हो चुका है। उन्हें वहां हर वर्ग तथा हर क्षेत्र में लगातार समर्थन मिल रहा है।

गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा : सिस्टर सैलीन

नोएडा (चेतना मंच)। उम्र के जिस पड़ाव में मजबूत से मजबूत लोगों को सहारे की जरूरत पड़ जाती है, वही उस पड़ाव पर वयोवृद्ध समाजसेविका सिस्टर सैलीन आज भी सैकड़ो जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए तत्पर रहती हैं। पिछले 20 वर्षों से रिक्शा चालकों के उत्थान के लिए कार्य कर रही सिस्टर सैलीन का यह सिलसिला लगातार जारी है। उनकी इस मुहिम से कई रिक्शा चालकों की जिंदगी में आमूल चूल परिवर्तन आया है।

एसीसी कान्वेंट स्कूल की प्रधानाचार्य रही सिस्टर सैलीन ने वर्ष 2005 में एक जरूरतमंद व्यक्ति को निशुल्क रिक्शा देकर उसके जीवन यापन में मदद की थी। इसके बाद वह लगातार जरूरतमंद लोगों को मेहनत कर सम्मानजनक जीवन जीने के लिए रिक्शों का वितरण करने लगी। उन्होंने करीब 478 लोगों को अपने स्तर से रिक्शे उपलब्ध कराए। रिक्शे देने के साथ-साथ वह रिक्शा चालकों को ईमानदारी से जीवन जीने तथा मेहनत कर अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए भी प्रेरित करती थी। इसी कड़ी में वह प्रत्येक वर्ष रिक्शा वितरण के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन करती हैं। गुरुवार को भी सेक्टर 17 स्थित एसीसी कान्वेंट स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 300 रिक्शा चालकों को टी-शर्ट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीएचईएल कंपनी के एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर आरके श्रीवास्तव उपस्थित थे।

एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर आरके श्रीवास्तव ने इस मौके पर मौजूद रिक्शा चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को हमेशा एक दूसरे की मदद करनी चाहिए। उन्होंने रिक्शा चालकों से अवगुणों को त्याग कर सत्गुण को अपनाने का भी आवाहन किया। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार के साथ-साथ रिक्शे में बैठने वाली सवारी के साथ भी अच्छा व्यवहार करें जिससे समाज में एक अलग संदेश जाए।

कार्यक्रम में मौजूद फादर जॉन रोशन ने कहा कि बहुत से लोग समाज सेवा करते हैं लेकिन लगातार 20 वर्षों तक समाज के लिए खुद को समर्पित करना आसान नहीं है। सिस्टर सैलीन ने कोरोना काल के दौरान भी अपनी जान की परवाह किए बगैर रिक्शा चालकों के लिए कार्य किया और अपने स्तर से उन्हें फूड किट उपलब्ध करने के साथ-साथ चिकित्सा सुविधा भी मुहैय्या कराई। सिस्टर शैलीन ने रिक्शा चालकों के लिए लगातार कार्य कर समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इस मौके वयोवृद्ध समाजसेविका सिस्टर सैलीन ने कहा कि उनका मानना है कि गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। सभी लोगों को जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए जिससे उनका जीवन स्तर सुधर सके और वह भी एक सम्मानजनक जीवन जी पाए। उनका सदैव प्रयास रहा है कि जरूरतमंद लोगों को जरूरी मदद समय पर मिल सके इसके लिए वह हर संभव प्रयास करती हैं।

कार्यक्रम में फादर साजन, फादर सचित, फादर जोसेफ, फादर जोशन, बीएचईएल से अमित त्यागी, जसपाल, संतोष सहित बड़ी संख्या में रिक्शा चालक उपस्थित थे।